Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-19, अंक-18 16-30 सितम्बर, 2024 (पाक्षिक) ₹20

'भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो संगठन के संविधान के अनुसार एवं प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है'

संगठन पर्व

भारतीय जनता पार्टी

राष्ट्रीय सदस्यता

अभियान 2024 का शुभारंभ

8800002024

मिस्ड कॉल दें और भाजपा का हिस्सा बनें

'सदस्यता अभियान एक वैचारिक और भावनात्मक आंदोलन है'

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 02 सितंबर, 2024 को 'भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान– 2024' का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं श्री अमित शाह

पटना (बिहार) में 07 सितंबर, 2024 को 'सदस्यता अभियान कार्यक्रम' में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत करते बिहार भाजपा नेतागण

पलक्कड़ (केरल) में 01 सितंबर, 2024 को विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों की एक सभा को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

पलौरा (जम्मू) में 07 सितंबर, 2024 को 'कार्यकर्ता सम्मेलन' में अभिवादन स्वीकार करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

रामबन (जम्मू–कश्मीर) में 08 सितंबर, 2024 को चुनावी सभा में जन अभिवादन स्वीकार करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितेंद्र सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा का सदस्यता अभियान देश का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए है: नरेन्द्र मोदी

भाजपा 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनसंघ के जमाने...

10 भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो संगठन के संविधान के अनुसार एवं प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान...

14 आठ दिनों में भाजपा की सदस्य संख्या दो करोड़ के पार

इस सदस्यता अभियान का उद्देश्य भाजपा के लिए अधिक से अधिक जनसमर्थन प्राप्त करना है तथा देश की जनता को...

18 जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के लिए संकल्प पत्र जारी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 6 सितंबर, 2024 को जम्मू स्थित अनुथम होटल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए...

28 प्रधानमंत्री ने 11 लाख नई लखपति दीदियों को किया सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त को महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने हाल ही...

लेख

मोदीजी के नेतृत्व में किसानों का चल रहा है 'स्वर्णिम युग' / **राजकुमार चाहर** 26

अन्य

हम सरकार बनाने के लिए नहीं, सशक्त समाज बनाने के लिए राजनीति करते हैं: राजनाथ सिंह 12

स्वप्न सिद्धि का मार्ग भाजपा कार्यालय से जाता है : अमित शाह 13

भाजपा एवं एनडीए ने देश को आगे बढ़ाने का काम किया : जगत प्रकाश नड्डा 16

'एलडीएफ और यूडीएफ ने केरल की संस्कृति को नष्ट कर दिया है' 17

प्रदेश में विकास की बयार बहाने के लिए भाजपा प्रत्याशियों को जिताएं : अमित शाह 20

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 12 औद्योगिक नोड/शहरों को मिली मंजूरी 21

भारतीय नौसेना में दूसरी अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बी 'आईएनएस अरिघात' शामिल की गई 22

रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने 1.45 लाख करोड़ रुपये के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को दी मंजूरी 23

प्रधानमंत्री ने इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम को किया संबोधित 29

आतंकवाद के सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों की निंदा 30

'मन की बात' 33

प्रधानमंत्री ने पैरालिंपिक खेलों में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की सराहना की 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आज 18 से 25 साल के नौजवानों को हमें 'नेशन फर्स्ट' के विचार से जोड़ना है, क्योंकि वही विकसित भारत के सपने को पूरा करने का सामर्थ्य रखते हैं।

(2 सितंबर, 2024)

जगत प्रकाश नड्डा

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधानसेवक के स्वरूप में 140 करोड़ देशवासियों की सेवा में सदैव संलग्न व समर्पित रहते हैं। वे हम कोटिशः भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए आदर्श हैं, उन्होंने सदैव यह अपने जीवन में धारण किया है कि संगठन सर्वोपरि व प्रथम है।

(8 सितंबर, 2024)

अमित शाह

कांग्रेस, JKNC व पीडीपी ने इतना भ्रष्टाचार किया है कि एक ओर पूरे देश में भ्रष्टाचार और दूसरी ओर इन परिवारों का भ्रष्टाचार, एक बराबर है।

(7 सितंबर, 2024)

राजनाथ सिंह

पहले कश्मीर घाटी में बहुत से नौजवानों के हाथों में रिवाल्वर और पिस्टल हुआ करता था, लेकिन अब उनके हाथों में लैपटॉप और कंप्यूटर है। यह बड़ा बदलाव आया है। 2022 के बाद एक भी पत्थरबाजी की घटना नहीं हुई है।

(8 सितंबर, 2024)

बी.एल. संतोष

कश्मीर की राजनीति के शहजादे उमर अब्दुल्ला ने गंदेरबल विधानसभा के बाद बडगाम विधानसभा से नामांकन दाखिल किया है। यह सब लोकसभा में बुरी तरह हारने के बाद हुआ है। इंडी गठबंधन के सहयोगियों पर हार का डर हावी है। बातें तो बड़ी-बड़ी लेकिन प्रदर्शन औसत से भी नीचे।

(5 सितंबर, 2024)

नितिन गडकरी

जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मैं लाभार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनकी इस दूरदर्शी पहल के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं। जन धन योजना ने न केवल वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है, बल्कि लाखों लोगों को सशक्त बनाया है - खासकर महिलाओं, युवाओं एवं हाशिए पर रहने वाले समुदायों को इसका लाभ मिला है। इस योजना ने बचत को बढ़ावा दिया है, ऋण तक पहुंच का विस्तार किया है और वित्तीय सेवाओं में लैंगिक अंतर को कम करने का काम किया है। (28 अगस्त, 2024)

संपादकीय

आज भाजपा ही भारतीयता की गारंटी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भाजपा का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के शुभारंभ के साथ ही करोड़ों लोग 'विकसित भारत' के स्वप्न को आंखों में लिए पार्टी की सदस्यता लेने के लिए प्रेरित हुए हैं। जन-जन में भाजपा की सदस्यता लेने के उत्साह को इसी बात से समझा जा सकता है कि पहले चरण के कुछ ही दिनों में दो करोड़ से अधिक लोग सदस्य बन चुके हैं। इससे पता चलता है कि देश के कोने-कोने में भाजपा के प्रति अटूट जन विश्वास एवं अथाह जन समर्थन है। इसके नेतृत्व, कार्यक्रम एवं नीतियों पर जनता के अपार भरोसे को पार्टी के निरंतर बढ़ते जनाधार में देखा जा सकता है, जिसके फलस्वरूप आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई है। राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान, जो भारत के 18 वर्ष के ऊपर आयुवर्ग के हर नागरिक को सदस्य बनने के लिए आमंत्रित कर रहा है, विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म्स के माध्यम से चलाया जा रहा है। सदस्यता के लिए डिजिटल माध्यमों के साथ-साथ फार्म्स भी उपलब्ध हैं। यह न केवल विश्व का सबसे बड़ा सदस्यता अभियान है, बल्कि सर्वाधिक समावेशी, विस्तृत, सर्वसुलभ, सर्वस्पर्शी, आधुनिकतम तकनीकों द्वारा संचालित और सबके लिए उपलब्ध अभियान है। यह भाजपा की सर्वाधिक अनूठी पद्धति है कि सदस्यता को संगठन के विस्तार, सुदृढ़ीकरण एवं मजबूती का आधार माना जाता है। स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केन्द्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं श्री अमित शाह की उपस्थिति में इसके शुभारंभ से ही यह स्पष्ट है कि पार्टी के लिए सदस्यता अभियान कितना महत्व का विषय है।

> 'अमृतकाल' जो देश का स्वर्ण युग है, यह 'विकसित भारत' के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध एवं समर्पित होने का काल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पूरे देश को 'पंच प्रण'के आह्वान से प्रेरित कर रहे हैं

हमारी अद्भुत लोकतांत्रिक परंपरा, राजनैतिक दल के रूप में हमारा उज्ज्वल इतिहास, देश की एकता एवं अखंडता अक्षुण्ण रखने के लिए हमारा संघर्ष, 'सर्वपंथ समभाव' एवं मूल्य आधारित राजनीति के सिद्धांतों पर हमारे विश्वास से आज भाजपा जन-जन की आकांक्षाओं को सिद्ध करने वाले राजनैतिक दल के रूप में राष्ट्रीय पटल पर स्थापित हुई है। यह एक ऐसा राजनैतिक दल है जो गरीब, किसान, मजदूर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला एवं युवा का सच्चा प्रतिनिधि बनकर उभरी है। वंचितों, शोषितों एवं पीड़ितों की मजबूत आवाज बनकर इसने भ्रष्टाचार के विरुद्ध अथक संघर्ष किया है तथा व्यवस्था को जनता के धन को लूटने वाले बिचौलियों एवं भ्रष्टाचारियों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए कृत-संकल्पित है। वास्तव में, भाजपा एकमात्र राजनैतिक दल है जो लोकतांत्रिक ढंग से कार्य करती है तथा जिसने ऐसी सुदृढ़ पद्धति विकसित की है जिससे पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र निरंतर जीवंत रहे और अधिक समृद्ध हो सके। कोटि-कोटि कार्यकर्ता हैं जो 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से अथक कार्य करते हैं, यह उनके ही निःस्वार्थ समर्पण का परिणाम है। भाजपा कार्यकर्ता का एक ही लक्ष्य है– राष्ट्र सेवा, देश के विकास के लिए कार्य और 'मां भारती' के गौरव के लिए पूर्ण समर्पण। यही वह प्रेरणा है जो हर कार्यकर्ता को पार्टी के लिए पूर्णतः समर्पित होने की ऊर्जा देती है। देश की प्राचीन लोकतांत्रिक परंपराओं, इसके नेतृत्व के उच्च आदर्श, भ्रष्टाचार के विरुद्ध निरंतर संघर्ष, देश की एकता एवं अखंडता के प्रति सजग तथा वोट-बैंक की राजनीति का विरोध का यदि कोई राजनैतिक दल आज प्रतिनिधित्व करता है, तो वह भाजपा ही है। असल में यदि देखा जाए तो आज भाजपा ही भारतीयता की गारंटी है।

'अमृतकाल' जो देश का स्वर्ण युग है, यह 'विकसित भारत' के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध एवं समर्पित होने का काल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पूरे देश को 'पंच प्रण'के आह्वान से प्रेरित कर रहे हैं। देश आज अद्भुत उपलब्धियों एवं संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा है। इस संदर्भ में भाजपा का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी सफलता देश के अलोकतांत्रिक राजनैतिक दल जो भ्रष्टाचार, वंशवाद एवं विभाजनकारी राजनीति में विश्वास करते हैं, उनके देश की राजनीति से सफाये की गारंटी है। कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों की सरपरस्ती में भ्रष्टाचार एवं विभाजनकारी राजनीति की जो विषबेल बोई गई है, उससे देश को मुक्त करने के लिए भाजपा को देश के कोने-कोने में अपना विस्तार कर संगठन की जड़ों को मजबूत करना होगा। आज, भाजपा का गौरवपूर्ण सदस्य होना ही भारतीय राजनीति को हर बुराइयों से मुक्त करने की गारंटी है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भाजपा 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ

भाजपा का सदस्यता अभियान देश का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से 2 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय विस्तार में पार्टी के 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ हुआ। श्री मोदी ने मिस्ड कॉल के जरिये इस अभियान के तहत सबसे पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे

भाजपा 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनसंघ के जमाने में बड़े उत्साह के साथ कार्यकर्ता दीवारों पर दीपक पेंट किया करते थे। तब कई राजनीतिक दलों के नेता मजाक उड़ाया करते थे कि दीवारों पर दीपक पेंट करने से सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंचा जा सकता है! उन्होंने कहा कि हम वो लोग हैं, जो बहुत श्रद्धा से दीवारों पर कमल पेंट किया करते थे। दिलों में पक्का विश्वास था कि दीवारों पर पेंट किया गया कमल कभी न कभी लोगों के दिलों पर भी पेंट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक, हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। भाजपा कार्यकर्ताओं का विश्वास आज भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के मंत्र 'चरैवेति-चरैवेति' से जुड़ा हुआ है। आज 18 से 25 साल के नौजवानों को हमें 'नेशन फर्स्ट' के विचार से जोड़ना है, क्योंकि उनमें विकसित भारत के सपने को पूरा करने का सामर्थ्य है।

अनेक कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन खपाया

भाजपा की यात्रा का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह दल ऐसे ही यहां तक नहीं पहुंचा है। इसमें अनेक पीढ़ियां खप गई हैं। वर्तमान पीढ़ी के अनेक कार्यकर्ता जिनके नाम भी नहीं जानते होंगे, ऐसे लोगों के जीवन खपाने से यह दल लोगों के दिलों में जगह बना पाया है। एक समय था, जब हमारे कार्यकर्ताओं के लिए कहा जाता था कि उनका एक पैर रेल में और दूसरा जेल में होता है। रेल में इसलिए कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता निरंतर भ्रमण और प्रवास करते रहते थे। समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सत्ता पर बैठे हुए लोगों के सामने संघर्ष के चलते वह कभी जेल, तो कभी बाहर, ये स्थिति बनी रहती थी। उन्होंने कई जुल्म सहने के बाद पार्टी को यहां तक पहुंचाया है। जुल्म करने वाले लोग एक छोटे से जुलूस को भी स्वीकार करने को तैयार नहीं होते थे और सत्ता के नशे में जेल में बंद कर दिया करते थे।

सदस्यता अभियान: भाजपा परिवार का विस्तार

भाजपा के सदस्यता अभियान का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह हमारे लिए कोई कर्मकांड नहीं है। हमारे लिए सदस्यता यानी, अपने परिवार का विस्तार है। भाजपा में जब कोई नया सदस्य बनता है तो परिवार के विस्तार जैसा ही आनंद होता है। यह सदस्यता अभियान आंकड़ों का खेल नहीं है। यह पूर्ण रूप से वैचारिक और भावनात्मक आंदोलन भी है। हमें संगठन की गाड़ी को उस पटरी पर दौड़ाना है, जिसमें वैचारिक धार के साथ-साथ देशभक्ति की भावना भी भरपूर हो।

सदस्यता का अर्थ सिर्फ पार्टी का नंबर बढ़ाना नहीं

आकांक्षी जिलों की बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पूरे विश्व के लिए, खास करके ग्लोबल साउथ के देशों के लिए हमने

नई दिल्ली में 05 सितंबर, 2024 को 'भारतीय जनता पार्टी– राष्ट्रीय सदस्यता अभियान' के तहत भाजपा के वरिष्ठ नेता भारत रत्न श्री लालकृष्ण आडवाणी जी के आवास पर जाकर उन्हें उनकी सदस्यता नवीनीकरण की प्रति भेंट करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

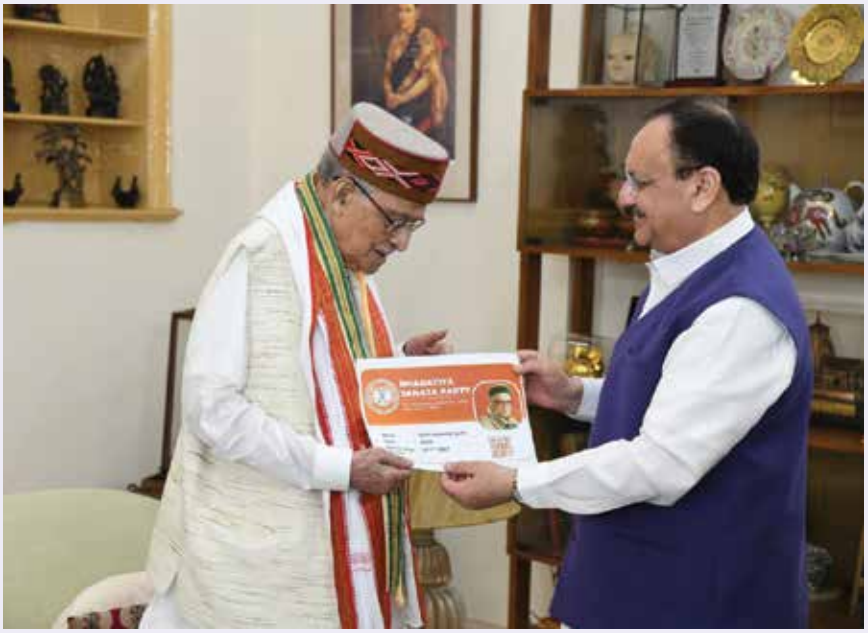

नई दिल्ली में 05 सितंबर, 2024 को 'भारतीय जनता पार्टी– राष्ट्रीय सदस्यता अभियान' के तहत भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी के आवास पर जाकर उन्हें उनकी सदस्यता नवीनीकरण की प्रति भेंट करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

एक मॉडल के रूप में काम किया है। यह इतना सुखद अनुभव रहा है कि एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट में गवर्नेंस पर फोकस और जन भागीदारी के कारण आज देश की एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट स्टेट के टॉप जिलों की बराबरी करने लग गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट से लेकर इनके ब्लॉक तक विशेष अभियान चला करके हर पोलिंग बूथ पर अपना झंडा गाड़ सकते हैं। इसी तरह सीमावर्ती राज्यों के पहले गांव में सबसे पहले मेंबरशिप अभियान चलाकर भाजपा कार्यकर्ता अपने किलों को और मजबूत कर सकते हैं। सीमा के आखिरी छोर का गांव, जब भाजपा का किला बनता है तो वह अपने-आप भारत का किला भी बन जाता है। मेरे लिए सदस्यता सिर्फ पार्टी का नंबर बढ़ाना नहीं है, बल्कि देश को मजबूत बनाना है।

मुख्य बिंदु

- **भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान एक औपचारिकता भर न होकर हमारे परिवार का विस्तार है।**
- **हमने दीवारों पर इस विश्वास के साथ कमल पेंट किया कि एक दिन यह निशान दिलों पर भी पेंट होगा।**
- **पार्टी की स्थापना के बाद से ही भारी कठिनाइयों का सामना करते हुए हमारे कार्यकर्ताओं ने इसे एक महान मुकाम पर पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम किया है।**
- **हम सिर्फ चुनावी मशीन नहीं हैं। हम वो खाद-पानी हैं जो देशवासियों के सपनों को सींचा करते हैं।**

'कमल' को अब दिल के अंदर जगह दें

उन्होंने पीएम जन-मन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना के साथ हमने स्पेशल एफर्ट शुरू किया है। हमारे आदिवासी क्षेत्रों में ऐसे-ऐसे इलाके और समूह हैं, जहां इतने सालों बाद भी सरकारी सुविधाएं नहीं पहुंच पाई थीं। हमारी यह योजना अब उनका सहारा बन रही है। उनमें पॉलिटिकल वोट बैंक बनने की ताकत नहीं है, क्योंकि उनकी संख्या कम है, लेकिन जैसे उंगली का नाखून पकने पर पूरे शरीर में दर्द होता है। वैसे ही उनके दुःख-दर्द से मुझे पीड़ा होती है। जब ऐसी

पीड़ा का अनुभव करते हैं, तब पीएम जन-मन योजना जन्म लेती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने ऐसे चार करोड़ परिवारों को एड्रेस दिया है, जो झुग्गी-झोंपड़ी और फुटपाथ पर जिंदगी गुजारते थे। जब जिंदगी में घर का पता तय हो जाता है तो मंजिल का पता अपने-आप लग जाता है। भाजपा कार्यकर्ताओं को ऐसे लोगों की लिस्ट लेकर उनके पास जाना चाहिए। उनको लगना चाहिए कि जिस कमल ने उनके घर की दीवारें बनाई हैं। उस कमल को अब दिल के अंदर जगह देनी चाहिए।

युवाशक्ति: विकसित भारत के सपने की सबसे बड़ी शक्ति का स्रोत

युवाशक्ति पर फोकस करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज जो

18-20 साल के युवा हैं, उन्हें पता नहीं है कि 10-11 साल पहले देश के क्या हालात थे। उन्हें यह भी नहीं पता कि उनके माता-पिता ने कितने बुरे दिन देखे थे। इन युवाओं ने तो एक नया हिंदुस्तान देखा है और इसलिए उसके सपने भी वहीं से शुरू हो जाते हैं। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी अनेक गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि आज 18-25 साल का नौजवान मेरे 2047 के विकसित भारत के सपने की सबसे बड़ी शक्ति का स्रोत है। आज के युवा उस समय करीब 50 साल के होंगे। उनका सामर्थ्य हमें विकसित भारत के सपने को पूरे करने में काम आएगा।

हमारा लक्ष्य: गरीब कल्याण

श्री मोदी ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि आज देश के गरीब का सबसे अधिक विश्वास हमारी नीतियों और निर्णयों में है। इसलिए हमें पूरे सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ना है और गरीबों का कल्याण करना है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों को जीने वाली पार्टी है। हम व्यवस्था में भी लोकतंत्र को स्वीकार करते हैं। हम विचार में भी लोकतंत्र को स्वीकार करते हैं। हम संस्कार में भी लोकतंत्र को स्वीकार करते हैं। हमारा ये सदस्यता अभियान नई ऊंचाइयों को पार करने वाला होगा। उन्होंने कहा कि आप अपने इलाके में जिसे सी ग्रेड पोलिंग बूथ मानते हैं, वहीं से सदस्यता अभियान शुरू करिए। क्योंकि चुनौती को चुनौती देना ही भाजपा कार्यकर्ताओं की रगों में है और जहां चुनौती है, वहीं दिलों में कमल खिलाना है। ■

भाजपा 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ

भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो संगठन के संविधान के अनुसार एवं प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 सितंबर, 2024 को केंद्रीय कार्यालय विस्तार में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के सदस्यता अभियान के सभी चरणों की जानकारी दी और सदस्यता अभियान को सफल बनाने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिस्ड कॉल के जरिये इस अभियान के तहत सबसे पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान मंच पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानसेवक होने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं, इसके बावजूद उनके लिए संगठन सर्वोपरि और सर्वप्रथम है। प्रधानमंत्रीजी पार्टी के हर कार्य में अपना ध्यान लगाकर, पार्टी कैसे आगे बढ़ सकती है इसकी चिंता करते हैं। जब गृहमंत्री श्री अमित शाह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तब उन्होंने सदस्यता अभियान को प्राथमिकता देते हुए कहा था कि हम संगठन के रास्ते और तरीके बदलेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी में समावेशित किया जा सके। तब पहली बार डिजिटल सदस्यता देने का फैसला लिया गया था। उस समय पूरे 6

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानसेवक होने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं, इसके बावजूद उनके लिए संगठन सर्वोपरि और सर्वप्रथम है। प्रधानमंत्रीजी पार्टी के हर कार्य में अपना ध्यान लगाकर, पार्टी कैसे आगे बढ़ सकती है इसकी चिंता करते हैं। जब गृहमंत्री श्री अमित शाह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तब उन्होंने सदस्यता अभियान को प्राथमिकता देते हुए कहा था कि हम संगठन के रास्ते और तरीके बदलेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी में समावेशित किया जा सके

महीने तक सदस्यता अभियान चलाकर 10 करोड़ लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया गया था।

उन्होंने कहा कि इस बार के सदस्यता अभियान में भी 10 करोड़ से अधिक लोगों को शामिल किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है जो संगठन के संविधान के अनुसार और प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है। भाजपा की 18 करोड़ लोगों की सदस्यता होने के बाद भी पार्टी के संविधान के अनुच्छेद 9 के तहत हर 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण कराना होता है, इस लिए सदस्यता अभियान पुनः शुरू हो रहा है। भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है जिसमें प्रदेश, जिला, मण्डल, शक्ति केन्द्र और बूथ स्तर पर भी सदस्यता अभियान चलाने का कार्य होता है। भाजपा प्रजातान्त्रिक तरीके से पहले ही घोषित करती है कि किस चरण में और कैसे सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान पूरी तरह से पारदर्शी होता है, इसे घर में बैठकर नहीं किया जाता। सदस्यता का पहला चरण प्रधानमंत्रीजी के करकमलों से आज प्रारंभ हो रहा है जो 25 सितंबर तक चलेगा, दूसरा चरण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चलेगा, उसके बाद भाजपा की सक्रिय सदस्यता 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगी। भारतीय जनता पार्टी के संविधान के अनुसार एक सक्रिय सदस्य ही चुनाव में भाग ले सकता है।

श्री नड्डा ने कहा कि बीते महीने सदस्यता अभियान को लेकर हुई राष्ट्रीय कार्यशाला में बारीकी से चर्चा की गई थी। 17 अगस्त को राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होने के बाद 19 से 21 अगस्त तक सभी प्रदशों में प्रदेश स्तर की कार्यशाला आयोजित हुई हैं। 777 जिलों में जिला स्तर की कार्यशालाएं हो चुकी हैं और लगभग 11486 कार्यशालाएं मण्डल स्तर पर सम्पन्न हो चुकी हैं। बीते दिन 31 अगस्त को 4 लाख से अधिक बूथों पर भी कार्यशालाएं सम्पन्न हो चुकी हैं। कई राज्यों में बाढ़ आई है, कई राज्यों में आंदोलन चल रहे हैं, ऐसे राज्यों में सदस्यता अभियान कुछ देरी से प्रारंभ होगा, लेकिन यह सतत चलने वाली प्रक्रिया है। भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता मिस्ड कॉल से, व्हाट्सएप से, वेबसाइट से, क्यूआर कोड, नमो एप और पार्टी की पर्ची से भी दी जाएगी। इस तरह से भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान के संकल्प को पूरा करेगी।

श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को विश्वास दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्रीजी जिस तरह से 'विकसित भारत' के लक्ष्य को दिन-रात आगे बढ़ा रहे हैं, इस कार्यक्रम को साकार रूप देने में पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपना पूरा योगदान देगा और 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करेगा। ■

मुख्य बिंदु

- **पूर्व में सदस्यता अभियान चलाकर 10 करोड़ लोगों को भाजपा का सदस्य बनाया गया था। इस बार के सदस्यता अभियान में भी 10 करोड़ से अधिक लोगों को शामिल किया जाएगा।**
- **भाजपा की 18 करोड़ से ज्यादा सदस्य होने के बाद भी पार्टी संविधान के अनुच्छेद 9 के तहत हर 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण किया जाता है, इसलिए सदस्यता अभियान पुनः शुरू हो रहा है।**
- **सदस्यता का पहला चरण प्रधानमंत्रीजी के करकमलों से प्रारंभ हो रहा है जो 25 सितंबर तक चलेगा, दूसरा चरण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक और उसके बाद सक्रिय सदस्यता अभियान 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा।**
- **17 अगस्त को सदस्यता अभियान की राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होने के बाद 777 जिलों में लगभग 11486 कार्यशालएं मण्डल स्तर पर और 4 लाख से अधिक बूथों पर कार्यशालाएं सम्पन्न हो चुकी हैं।**
- **भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता मिस्ड कॉल से, व्हाट्सएप के माध्यम से, वेबसाइट से, क्यूआर कोड, नमो एप और पार्टी की पर्ची से भी दी जाएगी। मिस्ड कॉल और व्हाट्सएप नंबर 8800002024 है। पार्टी सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेगी।**
- **प्रधानमंत्रीजी जिस तरह से 'विकसित भारत' के लक्ष्य को दिन-रात आगे बढ़ा रहे हैं, इस कार्यक्रम को साकार रूप देने में पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपना पूरा योगदान देगा और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा।**

हम सरकार बनाने के लिए नहीं, सशक्त समाज बनाने के लिए राजनीति करते हैं: राजनाथ सिंह

भाजपा के 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के शुभारंभ के अवसर पर 02 सितंबर, 2024 को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भाजपा कार्यालय विस्तार पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी न केवल दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, बल्कि सबसे विश्वसनीय एवं लोकतांत्रिक पार्टी भी है। श्री सिंह ने कहा कि एक ओर जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में 'विश्वसनीयता के संकट' को दूर किया है, वहीं उन्होंने यह भी ध्यान रखा है कि पार्टी अपने वादों को पूरा करने में सक्षम बन सके।

उन्होंने कहा कि कोई भी अन्य राजनीतिक दल भाजपा के समान अपने सदस्यता अभियान को पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ चलाने में कामयाब नहीं हो सका है।

श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि एक ओर जहां हम बड़े सपने देखें, वहीं यह सपने ऐसे होने चाहिए जो जनता से किए गए हमारे वादों के अनुरूप हो। हमें अपने वादों को कार्यों में बदलने में सक्षम होना चाहिए। यही कारण है कि भाजपा दुनिया की सबसे विश्वसनीय राजनीतिक पार्टी के रूप में उभर कर सामने आयी है। हम सरकार बनाने के लिए राजनीति नहीं करते, बल्कि सशक्त समाज बनाने के लिए राजनीति करते हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता कि राजनेताओं की कथनी और करनी में अंतर के कारण भारत की राजनीति एवं राजनेताओं पर लोगों का भरोसा कम हुआ है। इसके कारण पैदा हुए 'विश्वसनीयता के संकट' को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चुनौती के रूप में स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमेशा आग्रह किया है कि पार्टी के घोषणापत्र को ध्यान से तैयार किया जाना चाहिए; ऐसा न हो कि हम जो कह रहे हैं, उसे पूरा न कर पाएं। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं होना चाहिए।

उन्होंने हमेशा कहा है कि यह एक वैचारिक आंदोलन है, जो साझा विचारों एवं आपसी विश्वास पर आधारित एक प्रयास है। भाजपा चाहती है कि ऐसे लोग इसमें शामिल हों, जो समान विचार रखते हैं।

श्री सिंह ने कहा कि पूरे देश में लोग उत्साहित हैं। यह अपनी तरह का अनूठा सदस्यता अभियान है। भाजपा पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। आने वाले दिनों में हमारी पार्टी की सदस्यता और बढ़ेगी तथा हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में पूरे देश में विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

भाजपा का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान दो चरणों में आयोजित किया जाएगा– 02 सितम्बर से 25 सितम्बर तक तथा 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक, इस दौरान पूरे देश में नागरिकों से संपर्क किया जाएगा और पार्टी के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ■

भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024

स्वप्न सिद्धि का मार्ग भाजपा कार्यालय से जाता है : अमित शाह

भाजपा के 'संगठन पर्व' राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ के अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 2 सितंबर, 2024 को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता सिर्फ सदस्य नहीं है, बल्कि एक जीवंत एकाई है, एक विचारधारा का वाहक है, कार्य-संस्कृति का पोषक है तथा सरकार और संगठन के बीच में कड़ी का काम करते है, जिसके कारण सरकार हमेशा जनता से जुड़ी रहती है। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के साथ-साथ सबसे अनूठी पार्टी भी है। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो हर 6 साल में अपने सदस्यता अभियान को संचालित करती है।

मुख्य बिंदु

- भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने सदस्यता अभियान की परम्परा को अक्षुण्ण रखा है।
- भाजपा में कार्यकर्ता महज एक अंक नहीं, बल्कि विचारधारा का वाहक और कार्य-संस्कृति का पोषक है।
- भाजपा का सदस्यता अभियान सर्वस्पर्शीय और सर्व समावेशक।
- कोई भी बूथ चाहे वे पहाड़, जंगल या द्वीप पर हो, सदस्यता अभियान से अछूता नहीं रहना चाहिए।

श्री शाह ने कहा कि आज का दिन सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और देश भर में फैले हुए भारतीय जनता पार्टी के शुभचिंतकों के लिए शुभ है। भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के साथ-साथ राजनीतिक दलों में सबसे अनूठी पार्टी भी है। आज भारत के राजनीतिक मानचित्र में 1500 से ज्यादा राजनीतिक दल हैं, मगर कोई भी राजनीतिक दल लोकतांत्रिक तरीके और सातत्यपूर्ण तरीके से हर 6 साल में अपने सदस्यता अभियान को संचालित नहीं करता है। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो इस परंपरा एवं संस्कृति को लेकर सदैव आगे बढ़ी है। भाजपा के कार्यकर्ता सदस्यता अभियान की शुरुआत से समापन तक फिर से पार्टी की सदस्यता लेंगे। भारतीय जनता पार्टी के कई शुभेच्छक पार्टी के कार्यकर्ता बनेंगे और धीरे-धीरे पार्टी में समाहित होंगे। भाजपा में कार्यकर्ता सदस्यता का अंग नहीं है, यहां कार्यकर्ता एक जीवंत एकाई है, एक विचारधारा का वाहक है, कार्य-संस्कृति का पोषक है तथा सरकार और संगठन के बीच में कड़ी का काम करते है, जिसके कारण सरकार हमेशा जनता से जुड़ी रह पाती है।

श्री शाह ने कहा कि आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के सदस्यता का लक्ष्य सबके सामने रखा है और सदस्यता अभियान को पूर्ण कर नया संगठन संगठित किया जाएगा और फिर एक बार 'भारत विजय' और 'भाजपा विजय' का अभियान शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हम सबके सामने महान भारत और विकसित भारत की कल्पना और आजादी के शताब्दी वर्ष में भारत को हर क्षेत्र में सर्वप्रथम बनाने का स्वप्न हम सबके सामने रखा है। इस स्वप्न सिद्धि का मार्ग भाजपा कार्यालय से जाता है और इसके लिए ही यह सदस्यता अभियान शुरू किया जा रहा है। हम सबको मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के संदेश को हर गली-घर में, गांव में, शहर में, पहाड़ में, जंगल में, द्वीपों में, हर जगह जाकर भाजपा के परिवार का विस्तार करना है। सभी कार्यकर्ता पार्टी में फिर से एक बार नया खून लाएं और लोगों को पार्टी की कार्य-संस्कृति से परिचित कराएं। श्री शाह ने विश्वास जताया कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता इस अभियान को सफल बनाएंगे और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महान भारत और विकसित भारत के सपने को संगठन के माध्यम से चरितार्थ करेंगे। ■

आठ दिनों में भाजपा की सदस्य संख्या दो करोड़ के पार

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री विनोद तावड़े ने 10 सितंबर को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारतीय जनता पार्टी के 'संगठन पर्व' के अंतर्गत 2 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदस्यता का नवीनीकरण करके पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया था। सदस्यता अभियान के अंतर्गत मात्र 8 दिनों में भाजपा के सदस्यों की संख्या दो करोड़ को पार कर गई है। हमारे सुधी पाठकों के लिए यहां हम सदस्यता अभियान के उद्देश्य, प्रक्रिया और संगठनात्मक व्यवस्था की जानकारी प्रस्तुत कर रहे हैं:

सदस्यता अभियान का प्रमुख उद्देश्य एवं लक्ष्य

इस सदस्यता अभियान का उद्देश्य भाजपा के लिए अधिक से अधिक जनसमर्थन प्राप्त करना है तथा देश की जनता को भाजपा की राष्ट्र निर्माण की भावना, पार्टी की विचारधारा तथा 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने की योजना से जोड़ना एवं संगठित करना है। जब पार्टी ने 2014 में सदस्यता अभियान आरंभ किया था, तो उस समय 11 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी थी। 2019 के अभियान में पार्टी ने 6,01,47,832 नए सदस्य बनाए। 2024 के लोकसभा चुनाव में तीसरी बार जीत हासिल करने के बाद भाजपा का यह पहला बड़ा जनसंपर्क अभियान है, इस दौरान विभिन्न माध्यमों का उपयोग करते हुए 10 करोड़ से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश, शहर, गांव एवं बूथ तक पार्टी का व्यापक विस्तार करना है। साथ ही, विभिन्न सामाजिक वर्गों, जातियों एवं समुदायों के लोगों को भाजपा से जोड़ने के लिए हमारी विचारधारा और गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है।

जब पार्टी ने 2014 में सदस्यता अभियान आरंभ किया था, तो उस समय 11 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी थी। 2019 के अभियान में पार्टी ने 6,01,47,832 नए सदस्य बनाए। 2024 के लोकसभा चुनाव में तीसरी बार जीत हासिल करने के बाद भाजपा का यह पहला बड़ा जनसंपर्क अभियान है, इस दौरान विभिन्न माध्यमों का उपयोग करते हुए 10 करोड़ से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है

भाजपा सदस्य बनने की प्रक्रिया

भाजपा का सदस्य बनने के लिए मिस्ड कॉल, व्हाट्सएप चैट बॉट, क्यूआर कोड स्कैन कर और नमो ऐप एवं वेबसाइट का उपयोग किया जा सकता है। भाजपा की सदस्यता लेने के इच्छुक 18 वर्ष

या उससे अधिक आयु के व्यक्ति को सदस्यता प्रक्रिया पूरी करने के लिए तीन चरणों का पालन करना होगा– पहले मिस्ड कॉल देना है, इसके बाद एसएमएस के माध्यम से फॉर्म का लिंक प्रदान किया जाएगा, और फिर आपको अपने स्मार्टफोन पर प्राप्त लिंक के माध्यम से अपना विवरण भरना होगा। तीसरे चरण में, एसएमएस के माध्यम से सदस्यता कार्ड जारी किया जाएगा।

जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है वह कैसे सदस्य बन सकते हैं?

अगर किसी व्यक्ति के पास स्मार्टफोन नहीं है तो वह किसी भाजपा कार्यकर्ता या मित्र का स्मार्टफोन उपयोग कर ऐसा कर सकता है। मिस्ड कॉल देने के बाद प्राप्त लिंक के माध्यम से जानकारी भरकर आप सदस्य बन सकते हैं। अगर व्यक्ति के इलाके में फोन नेटवर्क नहीं है तो वह अपने इलाके के भाजपा कार्यकर्ता की मदद से एक पेपर फॉर्म भरकर पार्टी का सदस्य बन सकता है।

संगठनात्मक स्तर पर सदस्यता अभियान का स्वरूप

- सदस्यता अभियान की प्राथमिकता डोर-टू-डोर अभियान है। इसके लिए पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर एक ढांचा तैयार किया है। इसके तहत प्रत्येक शक्ति केंद्र पर 'सदस्यता सहयोगी' नियुक्त किए जाएंगे। सदस्यता सहयोगी अपने शक्ति केंद्र के अलावा अन्य शक्ति केंद्रों पर जन संपर्क गतिविधियों में भाग लेंगे। यह संपर्क कार्यक्रम 7 दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रत्येक दिन कम से कम एक नये बूथ पर संपर्क किया जाएगा। इसमें समाज के सभी वर्गों को शामिल किया जाएगा, जिसमें बुद्धिजीवी, युवा, महिलाएं, किसान, पिछड़े वर्ग, हाशिए पर पड़े समूह और शोषित वर्ग शामिल हैं।
- पार्टी के कार्यकर्ता बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मॉल, बाजार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सदस्यता के बारे में लोगों से बातचीत करेंगे। पार्टी शहर के प्रमुख स्थानों पर 'सदस्यता कियोस्क' भी स्थापित कर रही है।
- युवा मोर्चा के सहयोग से प्रत्येक विधायक/सांसद को अपने विधानसभा/लोकसभा क्षेत्र में कम से कम पांच कियोस्क स्थापित करने होंगे। इस दौरान नमो ऐप पर फॉर्म भरना होगा एवं सदस्यता कार्ड प्राप्त करना होगा। कियोस्क में 'मेरा परिवार भाजपा परिवार सदस्यता सेल्फी बूथ' भी स्थापित किये जाएंगे।
- इस अभियान की क्रियान्वयन समितियां राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर गठित जा रही हैं। राष्ट्रीय स्तर की समिति में एक राष्ट्रीय अभियान प्रभारी, चार सह-प्रभारी और चार सदस्य शामिल होंगे। प्रदेश स्तरीय समिति में एक प्रदेश अभियान प्रभारी, सह-प्रभारी एवं सदस्य शामिल होंगे। जिला स्तरीय समिति में 3-4 सदस्य होंगे और इसमें कम से कम एक महिला सदस्य का होना अनिवार्य है।
- मंडल स्तर पर पार्टी की तीन सदस्यीय समिति होगी, जिसमें कम से कम एक सदस्य महिला शामिल होगी। अभियान की सबसे निचली इकाई शक्ति केंद्र है, इसमें सदस्यता सहयोगी शामिल होंगे।

> सदस्यता अभियान की प्राथमिकता डोर-टू-डोर अभियान है। इसके लिए पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर एक ढांचा तैयार किया है। इसके तहत प्रत्येक शक्ति केंद्र पर 'सदस्यता सहयोगी' नियुक्त किए जाएंगे। सदस्यता सहयोगी अपने शक्ति केंद्र के अलावा अन्य शक्ति केंद्रों पर जन संपर्क गतिविधियों में भाग लेंगे

पार्टी के लिए सदस्यता अभियान महत्त्वपूर्ण

लोकतंत्र में राजनीतिक दल एक ऐसा माध्यम है, जो जन-आकांक्षाओं एवं सरकार के बीच सेतु के तौर पर काम करते हैं और आगे चलकर यही आकांक्षाएं सरकार की नीतियों में तब्दील होती हैं। इसलिए, भाजपा का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना और पार्टी की विचारधारा एवं मोदी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करना है। ■

जम्मू एवं कश्मीर में संगठनात्मक नियुक्तियां

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 9 सितंबर, 2024 को जम्मू-कश्मीर प्रदेश में विभिन्न नई नियुक्तियां की।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री सत शर्मा को जम्मू-कश्मीर प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। श्री नड्डा ने डॉ. निर्मल सिंह को प्रदेश चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष एवं श्री चौधरी सुखनंदन को प्रदेश चुनाव प्रचार समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया।

साथ ही श्री कविन्द्र गुप्ता को प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह द्वारा प्रेस वक्तव्य जारी कर उपर्युक्त जानकारी दी गयी। ■

भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम, पटना (बिहार)

भाजपा एवं एनडीए ने देश को आगे बढ़ाने का काम किया : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पटना, बिहार में अनुसूचित जाति परिवार के बीच आयोजित भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा एवं एनडीए ने देश को आगे बढ़ाने का काम किया, वहीं दूसरी ओर इंडी गठबंधन के सभी घटक दलों ने भ्रष्टाचार बढ़ाया और देश विरोधी लोगों को ताकत प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान बिहार भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री दिलीप जायसवाल, बिहार सरकार में उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी एवं श्री विजय कुमार सिन्हा, पटना साहिब के सांसद एवं वरिष्ठ नेता श्री रविशंकर प्रसाद, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर यादव सहित प्रदेश भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश की एकमात्र पार्टी है, जहां प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री तक, राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक और जिलाध्यक्ष से लेकर मण्डल अध्यक्ष तक, पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को 6 वर्ष बाद अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करवाना होता है। यह और किसी राजनीतिक पार्टी में संभव नहीं हो सकता है, क्योंकि बाकी सभी पार्टियां जाति, क्षेत्र, परिवार या विशेष समुदाय पर आधारित पार्टी हैं। केवल भारतीय जनता पार्टी ही सबकी और समूचे समाज की पार्टी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा 18 करोड़ कार्यकर्ताओं से मिलकर बनी पार्टी है। इस बार भाजपा के सदस्यता अभियान का लक्ष्य 10 करोड़ लोगों को पार्टी के साथ जोड़ना है।

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा में अधिकारों की समानता के साथ-साथ अवसर की भी समानता है। देश के विभिन्न राजनीतिक दलों में अगर कोई किसी खास परिवार, विशिष्ट खानदान या विशेष जाति से है, तभी पार्टी का अध्यक्ष बन सकता है, मगर भाजपा में एक गरीब घर से आने वाले श्री नरेन्द्र मोदी जैसे साधारण व्यक्ति भी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

मुख्य बिंदु

- भाजपा का सदस्यता अभियान पार्टी का राष्ट्रीय संगठन पर्व होता है जो भाजपा को सीधे जनता से जोड़ती है और इसे जन-जन की पार्टी बनाती है। यही कारण है कि भाजपा आज 18 करोड़ सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है।
- इस बार भाजपा के सदस्यता अभियान का लक्ष्य 10 करोड़ लोगों को पार्टी से जोड़ना है।
- अन्य राजनीतिक दलों में किसी खास परिवार या विशेष जाति का व्यक्ति ही पार्टी का अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी में एक गरीब घर से आने वाला साधारण व्यक्ति भी देश का प्रधानमंत्री और पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए ने देश को आगे बढ़ाया, जबकि कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन के सभी दलों ने भ्रष्टाचार बढ़ाया और देश विरोधी लोगों को ताकत प्रदान की।

उन्होंने कहा कि अन्य पार्टियों ने दलितों के साथ राजनीति की, उनको हक नहीं दिया और उनकी चिंता नहीं की। केवल भाजपा ने ही दलितों की चिंता की और उनके लिए कार्य किया। कांग्रेस ने तो डॉ. भीमराव अंबेडकर को दो बार लोकसभा में जाने से रोकने के लिए हर तरह से प्रयास किए। भाजपा समर्थित वीपी सिंह की सरकार ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न देने का कार्य किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबासाहेब को समर्पित करते हुए 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने की घोषणा की। 2014 से पूर्व संविधान दिवस नहीं मनाया जाता था। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्मभूमि पर एक बड़ा मेमोरियल बनाया गया, लंदन में जहां उनकी शिक्षा हुई थी उस भूमि को खरीद कर भारत सरकार ने उसे शिक्षा भूमि बनाया और इसी तरह से नागपुर में दीक्षा भूमि बनाई और दिल्ली में महापरिनिर्वाण भूमि बनाई गई। इसी तरह मुंबई में भी चैतन्य भूमि बनाकर बाबा साहब अंबेडकर को सम्मान देने का कार्य किया गया।

श्री नड्डा ने कहा कि अटलजी की भाजपा सरकार में ही लोकसभा का पहला दलित अध्यक्ष बनाया गया। आज भाजपा के 71 मंत्रियों में से 10 दलित भाई हैं, 27 मंत्री पिछड़ा वर्ग से हैं और 5 मंत्री आदिवासी भाई हैं। श्री नड्डा ने भाजपा के सदस्यता अभियान में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर खुशी व्यक्त करते हुए सभी से इस संदेश को सभी तक पहुंचाने का आग्रह किया और कार्यकर्ताओं से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि इस क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति भाजपा में शामिल होने से वंचित न रहे। ■

'एलडीएफ और यूडीएफ ने केरल की संस्कृति को नष्ट कर दिया है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 1 सितंबर, 2024 को केरल के पलक्कड़ में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों से मुलाकात की और उन्हें संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों का उल्लेख किया। श्री नड्डा ने भ्रष्टाचार में संलिप्तता को लेकर कांग्रेस, एलडीएफ और यूडीएफ पर जमकर निशाना साधा।

श्री नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में पलक्कड़ में भारतीय जनता पार्टी का वोट प्रतिशत 15% था, 2019 में यह बढ़कर 21.3% हुआ और 2024 में यह 24.3% रहा। श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा उम्मीद करती है कि आने वाले समय में लोगों का समर्थन पार्टी के लिए और बढ़ेगा। केरल के लोगों के योगदान से 2015 में पहली बार पलक्कड़ नगर निगम में भाजपा ने जीत दर्ज की और 2020 में 52 सीटों में से 28 सीटें भाजपा ने जीतीं।

उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ ने केरल की संस्कृति को नष्ट कर दिया है, ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पहले जो केरल शांति, विकास और शिक्षा के लिए जाना जाता था, आज वह हिंसा और भ्रष्टाचार से ग्रस्त हो गया है। लोन स्कैम और कोऑपरेटिव स्कैम जैसे भ्रष्टाचारों में शामिल केरल के भ्रष्ट नेताओं ने अपनी नैतिक विश्वसनीयता खो दी है। गोल्ड स्कैम में संलिप्त रहे मुख्यमंत्री के कई करीबी सहयोगी जेल की सजा काट चुके हैं, फिर भी मुख्यमंत्री को कोई पछतावा नहीं है। मुख्यमंत्री ने राज्य को शासन करने की नैतिक सत्ता खो दी है। कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी केंद्र में सहयोगी हैं, लेकिन केरल में दुश्मन हैं। दोनों पार्टियां और उनका गठबंधन वैचारिक रूप से दिवालिया हो चुके हैं। ये केवल सत्ता के लिए एक साथ हैं, क्योंकि ये बिना सत्ता के रह ही नहीं सकते।

श्री नड्डा ने केरल सरकार की आलोचना करते हुए प्रश्न किया कि आखिर उन्हें हेमा समिति की रिपोर्ट जारी करने से कौन रोक रहा है? रिपोर्ट जारी न करने का कारण यह है कि इस मामले में मुख्यमंत्री की पार्टी शामिल है। इसी संलिप्तता के कारण यह रिपोर्ट छिपाई जा रही है, क्योंकि उनके अपने लोग इसमें शामिल हैं। मोदी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम करती है और सभी मेहनती कार्यकर्ताओं के समर्थन से केरल में भी 'कमल' खिलेगा। हेमा समिति की रिपोर्ट में विशेष रूप से कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं की संलिप्तता का उल्लेख किया गया है। मुख्यमंत्री को सामने आकर स्पष्ट करना चाहिए कि वास्तव में क्या हुआ? जब वायनाड में आपदा की स्थिति बेहद गंभीर थी, तब प्रधानमंत्रीजी ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ितों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को समय पर सूचित किया गया था और एनडीआरएफ भी निर्धारित समय पर पहुंच गई थी, प्रश्न यह है कि मुख्यमंत्री विजयन ने इस स्थिति के प्रति इतनी उदासीनता क्यों दिखाई? भारतीय मौसम विभाग ने समय से आपदा को लेकर केरल को चेतावनी भेजी थी, लेकिन राज्य सरकार ने इसपर त्वरित कार्रवाई नहीं की। ■

मुख्य बिंदु

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विकास एजेंडा सिर्फ़ शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि इन कार्यों में भी झलकता है। 2014 से केरल को कर हस्तांतरण तीन गुना बढ़ गया है। केरल के लिए अनुदान 2014 में लगभग 25,629 करोड़ से बढ़कर 2024 में 1,40,000 करोड़ हो गया है।
- केरल सरकार को जस्टिस हेमा की रिपोर्ट जारी करने से कौन रोक रहा है? इस मामले में मुख्यमंत्री की पार्टी शामिल है, इसलिए राज्य सरकार रिपोर्ट को जारी नहीं कर रही है।
- पलक्कड़ में भाजपा के वोट शेयर में वृद्धि हुई है, भाजपा को 2014 में 15% वोट मिले थे, जो बढ़कर 2019 में 21.3% और 2024 में 24.3% तक पहुंच गया है।
- एलडीएफ और यूडीएफ ने केरल की संस्कृति को नष्ट कर दिया है; वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। केरल, जो कभी शांति, विकास और शिक्षा के लिए जाना जाता था, अब हिंसा और भ्रष्टाचार से ग्रस्त हो गया है।
- कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी केंद्र में सहयोगी हैं, लेकिन केरल में दुश्मन हैं। दोनों ही पार्टियां और उनका गठबंधन वैचारिक रूप से दिवालिया हैं। यह लोग सिर्फ़ सत्ता के लिए साथ हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के लिए संकल्प पत्र जारी

भाजपा का संकल्प– शांतिपूर्ण, सुरक्षित, विकसित एवं समृद्ध जम्मू-कश्मीर का निर्माण

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 6 सितंबर, 2024 को जम्मू स्थित अनुथम होटल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र को जारी करते हुए बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर के लिए किए गए विकास कार्यों का उल्लेख किया। श्री शाह ने कहा कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू और कश्मीर के लोगों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है और राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद इस विकास यात्रा को गति मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मंच पर प्रदेश चुनाव प्रभारी श्री जी. किशन रेड्डी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री रवींद्र रैना, केन्द्रीय मंत्री श्री जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुग एवं अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि आजादी के समय से ही भारतीय जनता पार्टी के लिए जम्मू-कश्मीर बहुत महत्वपूर्ण रहा है। आजादी के समय से इस भू-भाग को भारत के साथ हमेशा जोड़े रखने के लिए भाजपा ने बहुत प्रयास किए हैं। पंडित प्रेमनाथ डोगरा के आंदोलन से लेकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की शहादत तक इस पूरे संघर्ष को पहले भारतीय जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी ने आगे बढ़ाया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी मानती है कि जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा।

उन्होंने कहा कि 2014 तक जम्मू-कश्मीर पर हमेशा अलगाववाद और आतंकवाद की परछाई रही। अलग-अलग समय पर जम्मू और कश्मीर अस्थिर होता रहा, लेकिन पूर्व की सभी सरकारें जम्मू-कश्मीर को तुष्टीकरण की राजनीति के लिए इस्तेमाल करती रहीं। जब भी जम्मू-कश्मीर का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 से लेकर 2024 तक के कालखंड को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया जाएगा। यह 10 वर्ष जम्मू-कश्मीर के लिए शांति, विकास और सुशासन के रहे हैं। इन 10 वर्षों में राज्य आतंकवाद से पर्यटन की ओर बढ़ा है। इन 10 वर्षों में ही राज्य की सुख और समृद्धि का रास्ता प्रशस्त हुआ है और जम्मू-कश्मीर के मूल लोगों की संस्कृति को आगे बढ़ाया गया है। एक दौर था जब सरकारें धारा 370 की परछाई में अलगाववादियों की मांगों और हुर्रियत के सामने नतमस्तक हो जाती थीं, आज धारा 370 और 35-ए कश्मीर के लिए इतिहास बन गया है। आज जम्मू-कश्मीर में जो शांति, विकास और सामाजिक न्याय धरातल पर उतर पाया है इसका मूल कारण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का धारा 370 को

मुख्य बिंदु

- शांतिपूर्ण, सुरक्षित, विकसित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर का निर्माण, भाजपा का संकल्प
- मोदी सरकार में जम्मू-कश्मीर 'Maximum Terrorism' से 'Maximum Tourism' की ओर शिफ्ट हुआ है
- मोदी सरकार का कालखंड जम्मू-कश्मीर के इतिहास से स्वर्णिम अक्षरों से अंकित होगा
- जब तक भाजपा है, तब तक जम्मू-कश्मीर के गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को कोई हाथ भी नहीं लगा सकता
- JKNC के एजेंडे को कांग्रेस का मौन समर्थन प्राप्त है, लेकिन भाजपा कभी भी धारा 370 को वापस नहीं आने देगी
- जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद के संपूर्ण खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है मोदी सरकार
- मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास व सामाजिक न्याय को जमीन पर चरितार्थ किया

घोषणा पत्र के मुख्य बिन्दु :

- महिलाओं के उत्थान के लिए कई निर्णय लिए जाएंगे। 'मां सम्मान योजना' के तहत घर की सबसे वरिष्ठ महिला को 18,000 रुपये प्रतिमाह उनके जीवन-यापन के लिए प्रदान किए जाएंगे।
- महिला स्वयं सहायता समूहों के अब तक के बैंक ऋण को सहायता देकर माफ किया जाएगा। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 एलपीजी सिलेंडर निःशुल्क दिए जाएंगे।
- जम्मू-कश्मीर में पंडित प्रेमनाथ डोगरा रोजगार योजना के तहत 5 लाख रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे।
- प्रगति शिक्षा योजना के तहत प्रतिवर्ष डीबीटी के माध्यम से कॉलेज के विद्यार्थियों को 3 हजार रुपए प्रति वर्ष यातायात भत्ता के तौर पर दिए जाएंगे।
- जम्मू-कश्मीर के युवाओं को जेकेपीएससी और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सक्षम बनाने के लिए 2 वर्षों तक 10,000 रुपये तक की कोचिंग फीस की प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी। परीक्षा केंद्रों तक यातायात संबंधी लागत प्रदान की जाएगी।
- उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को लैपटॉप/टैबलेट प्रदान किए जाएंगे।
- अर्थव्यवस्था के विकास के लिए 3 क्षेत्रीय विकास बोर्डों की स्थापना की जाएगी। जिला रजौरी में एक नया आकर्षक पर्यटन शहर बनाया जाएगा, जो पहलगांव से भी आधुनिक होगा। जम्मू-कश्मीर दोनों जगहों पर आईटी हब की स्थापना की जाएगी। गुलमार्ग और पहलगांव में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया जाएगा। उधमपुर में फार्मास्युटिकल्स पार्क बनाया जाएगा।
- जम्मू-कश्मीर में 7,000 MSME इकाइयों की समस्याओं के समाधान के लिए आकर्षक पैकेज दिया जाएग
- अटल आवास योजना के तहत भूमिहीन लाभार्थियों को 5 मरला जमीन का निःशुल्क आवंटन किया जाएगा और उस पर घर बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पैसे भेजेंगे। गरीब को जमीन भी मिलेगी और घर भी मिलेगा।
- 'हर घर नल से जल' को शत-प्रतिशत घरों तक पहुंचाया जाएगा। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत केन्द्र की सहायता राशि में प्रति घर 10 हजार रुपये की सब्सिडी राज्य की ओर से जोड़ी जाएगी।
- वृद्धावस्था, विधवा और विकलांगता की पेंशन को 1 हजार से बढ़ाकर 3 हजार किया जाएगा।
- शिक्षा के लिए राज्य में अतिरिक्त 1,000 नई सीटों को आने वाले 3 सालों में जोड़ा जाएगा।
- पीएम किसान निधि के 6 हजार रुपयों में राज्य की ओर से 4 हजार और रुपये जोड़कर 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। कृषि गतिविधियों के लिए बिजली दर को 50 प्रतिशत कम किया जाएगा।
- जम्मू-कश्मीर की आरक्षण नीति का पालन करते हुए सामान्य कोटा को प्रभावित किए बिना जम्मू-कश्मीर के अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- 10,000 किलोमीटर नई सड़कें बनाई जाएंगी, जम्मू-कश्मीर दोनों जगहों पर बहुत जल्द ही मेट्रो चलाने का कार्य भी किया जाएगा।
- 1,000 मंदिर जो अब खंडहर हो चुके हैं, उनका जीर्णोद्धार किया जाएगा और वहां अखंड पूजा हो इसकी व्यवस्था भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी।

समाप्त करने का ऐतिहासिक फैसला रहा है।

उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के एजेंडे को कांग्रेस मौन समर्थन दे रही है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश को आश्वस्त करती है कि धारा 370 अब इतिहास बन चुकी है जो कभी लौटकर नहीं आएगी।

श्री शाह ने कहा कि कश्मीर में बम की परछाई और गोलीबारी की आवाजें लंबे समय तक गूंजती थीं, लेकिन 10 सालों में विशेषकर धारा 370 को निरस्त करने के बाद यहां की सुरक्षा परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। पहले 2004 से 2014 तक 10 सालों में पूरे जम्मू-कश्मीर में कुल 7,217 आतंकी घटनाएं दर्ज की गई थीं, लेकिन 2014 से 2024 के श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में ये घटनाएं सीमित होकर 70% की गिरावट के साथ मात्र 2,272 दर्ज हुई हैं। कुल मृत्यु दर में 66% एवं नागरिकों के मृत्यु दर में 80% की भारी गिरावट आई है। संगठित पथराव आम जनमानस से जुड़ा मुद्दा है, जिसमें 2010 के मानक के मुताबिक 2,656 घटनाएं हुईं, जबकि 31 अगस्त, 2023-24 तक घाटी में एक भी ऐसी घटना नहीं दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त पाकिस्तान में बैठकर निर्धारित की गई संगठित हड़ताल का आंकड़ा 132 था, जो अब समाप्त हो चुका है। पहले पथराव में आम नागरिकों की मृत्यु का आकड़ा 112 थी, जो अब शून्य हो चुका है।

श्री शाह ने घोषणा पत्र समिति को बधाई देते हुए कहा कि घाटी और जम्मू दोनों क्षेत्रों के विकास के लिए एक संतुलित घोषणा पत्र बनाया गया है। श्री शाह ने जम्मू-कश्मीर की जनता से अपील करते हुए कहा कि जनता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की मौन सहमति वाले नेशनल कांफ्रेंस के एजेंडे की बातों में न जाए। कांग्रेस बताए कि क्या वो नेशनल कॉन्फ्रेंस के दो ध्वज और धारा 370 की वापसी के एजेंडे से सहमत है? उनका एजेंडा बहुत खतरनाक एजेंडा है, नेशनल कॉन्फ्रेंस घाटी में फिर से भय का राज स्थापित करना चाहती है। जम्मू-कश्मीर की अवाम ने तय कर लिया है कि जो आतंकवाद के साथ है, राज्य की जनता उनके साथ नहीं है। राज्य की जनता को शांति, सुरक्षा और रोजगार केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ही दे सकती है। श्री शाह ने जनता से भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाने की अपील की। ■

कार्यकर्ता सम्मेलन, पलौरा, जम्मू

प्रदेश में विकास की बयार बहाने के लिए भाजपा प्रत्याशियों को जिताएं : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 7 सितंबर, 2024 को जम्मू के पलौरा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के भ्रष्टाचार, विकास विरोधी और आतंकी समर्थक राजनीति की जमकर आलोचना की और एनडीए सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। श्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी कितना भी दम लगा लें, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के लोगों के आरक्षण और महिलाओं को मिले अधिकारों को किसी को भी छीनने नहीं देगी। कार्यक्रम के दौरान मंच पर भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ, जम्मू-कश्मीर चुनाव प्रभारी श्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सांसद श्री जुगल किशोर सहित पार्टी के जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए भाजपा के प्रत्याशी उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है, जहां जम्मू और कश्मीर के मतदाता दो झंडों के नीचे नहीं, बल्कि एक तिरंगे के नीचे अपना मतदान करेंगे। पहली बार 2 संविधान नहीं, बल्कि बाबा साहेब अंबेडकर के बनाए हुए संविधान के नीचे जम्मू और कश्मीर में वोटिंग होने जा रही है। पहली बार जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री नहीं चुना जाएगा। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं, जिन्हें कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लोगों ने चुना है।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव पहली बार धारा 370 की परछाई से बाहर होकर लड़ा जा रहा है और इसका चमत्कार लोकसभा चुनाव में भी देखा गया। पहले की सरकारें कश्मीर घाटी में 10% मतदान पर भी खुशियां मनाती थीं, मगर 2024 के लोकसभा चुनाव में कश्मीर घाटी में रिकॉर्ड 58.46% मतदान हुआ। भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर का आगामी विधानसभा चुनाव जोरदार तरीके से लड़ेगी और बहुमत से सरकार भी बनाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे को उजागर करना है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से अलग झंडा लाने वाले हैं। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से धारा 370 लाना चाहते हैं, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गुर्जर, बकरवाल, पहाड़ी, ओबीसी और दलित का आरक्षण छीनना चाहते है।

श्री शाह ने कहा कि कई वर्षों बाद अमरनाथ यात्रा भयमुक्त गई, 5 लाख लोग दर्शन करके आए, कई वर्षों बाद घाटी में रात में थियेटर शुरू हुआ, ताजिया का जुलूस निकला और जम्मू व कश्मीर की कई यात्राएं निर्विरोध समाप्त हुईं। अगर उन तीनों परिवारों में से कोई सरकार में आया तो आतंकवाद भी आएगा। जम्मू और कश्मीर के लोगों को यह तय करना है कि उन्हें आतंकवाद चाहिए या चैन, शांति और विकास चाहिए। एनसी आई तो आतंकवाद आएगा और भाजपा आई तो किसी की ताकत नहीं है कि जम्मू और कश्मीर में आतंक फैला सके। जिन पंचायत चुनावों को तीन परिवार रोक कर बैठे थे, उन्हे भाजपा ने सफलतापूर्वक कराया। भाजपा ने अकेले जम्मू में 32 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकास कार्य किए हैं। जम्मू और कश्मीर को आईआईटी और आईआईएम देने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। कई सारे कॉलेज बनाए गए, लगभग 25,200 करोड़ रुपये की लागत से राज्य में विभिन्न हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का निर्माण किया गया है। ढेर सारे बिजली उत्पादन संयंत्र राज्य में स्थापित किए गए हैं जो आने वाले समय में जम्मू को सरप्लस बिजली बजट वाला राज्य बनाएंगे।

श्री शाह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं से मतदान की तिथि तक लोगों को कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के फिर से जम्मू-कश्मीर को बदहाली और आतंक में धकेलने के एजेंडे के बारे में आगाह करने को कहा और प्रदेश में विकास की बयार को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रत्याशियों को जिताने और प्रचंड बहुमत से भाजपा सरकार बनाने की अपील की। ■

मुख्य बिंदु

- शांतिपूर्ण, सुरक्षित, विकसित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर का निर्माण, भाजपा का संकल्प।
- गुर्जर, पहाड़ी, बकरवाल, ओबीसी व दलितों को मिले आरक्षण को नेशनल कॉन्फ्रेंस व कांग्रेस छीनना चाहती है, केवल भाजपा ही इसे बचा सकती है।
- कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी आतंकवाद के सामने आंखें बंद करके बैठी रहती थी।
- कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस जम्मू-कश्मीर में फिर से धारा 370 और अलग झंडा लाना चाहती है।

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 12 औद्योगिक नोड/शहरों को मिली मंजूरी

- भारत जल्द ही स्वर्णिम चतुर्भुज के आधार पर औद्योगिक स्मार्ट शहरों की एक भव्य श्रृंखला स्थापित करेगा
- केंद्र सरकार ने भारत के औद्योगिक परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए 28,602 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाओं को हरी झंडी दी
- 'प्लग-एन-प्ले' और 'वॉक-टू-वर्क' अवधारणाओं के साथ मांग से पहले विश्व स्तरीय ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों का निर्माण किया जाएगा
- निवेश और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मजबूत, टिकाऊ बुनियादी ढांचा

भारत जल्द ही औद्योगिक स्मार्ट शहरों की एक भव्य श्रृंखला स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने 28 अगस्त को एक ऐतिहासिक निर्णय में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत 28,602 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 12 नए परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। यह कदम देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है, जिससे औद्योगिक नोड्स और शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार होगा, जो आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा।

10 राज्यों में फैले और रणनीतिक रूप से नियोजित 6 प्रमुख गलियारों के साथ ये परियोजनाएं भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग लगाएंगी। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड में खुरपिया, पंजाब में राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र में दिघी, केरल में पलक्कड़, उत्तर प्रदेश में आगरा और प्रयागराज, बिहार में गया, तेलंगाना में जहीराबाद, आंध्र प्रदेश में ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान में जोधपुर-पाली में स्थित हैं।

रणनीतिक निवेश: एनआईसीडीपी को बड़े एंकर उद्योगों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) दोनों से निवेश की सुविधा प्रदान करके एक जीवंत औद्योगिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। ये औद्योगिक नोड 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर निर्यात प्राप्त करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे, जो सरकार के आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत के विजन को दर्शाता है।

स्मार्ट शहर और आधुनिक बुनियादी ढांचा: नए औद्योगिक शहरों को वैश्विक मानकों के ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिन्हें 'प्लग-एन-प्ले' और 'वॉक-टू-वर्क' अवधारणाओं पर 'मांग से पहले' बनाया जाएगा। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि शहर उन्नत बुनियादी ढांचे से लैस हों जो टिकाऊ और कुशल औद्योगिक कार्यों का समर्थन करते हैं।

पीएम गतिशक्ति पर क्षेत्रीय दृष्टिकोण: पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप परियोजनाओं में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचा होगा, जो लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा। औद्योगिक शहरों को पूरे क्षेत्र के परिवर्तन के लिए विकास केन्द्र बनाने की परिकल्पना की गई है।

'विकसित भारत' का विजन

इन परियोजनाओं की मंजूरी 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में भारत को एक मजबूत प्रतिस्पर्धी के रूप में स्थापित करके एनआईसीडीपी आवंटन के लिए तत्काल उपलब्ध उन्नत विकसित भूमि प्रदान करेगा, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करना आसान हो जाएगा।

आर्थिक प्रभाव और रोजगार सृजन

एनआईसीडीपी से महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जिसमें अनुमानित 1 मिलियन प्रत्यक्ष नौकरियां और नियोजित औद्योगीकरण के माध्यम से 3 मिलियन तक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इससे न केवल आजीविका के अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि उन क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में भी योगदान मिलेगा, जहां ये परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। ■

कैबिनेट ने एकीकृत पेंशन योजना को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दे दी। एकीकृत पेंशन योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

सुनिश्चित पेंशन: 25 वर्ष की न्यूनतम अर्हक सेवा के लिए सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत। यह वेतन न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा अवधि के लिए आनुपातिक होगा।

सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन: कर्मचारी की मृत्यु से ठीक पहले उसकी पेंशन का 60 प्रतिशत।

सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन: न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10,000 रुपये प्रति माह।

महंगाई सूचकांक: सेवा कर्मचारियों के मामले में सुनिश्चित पेंशन पर, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन पर और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन पर।

- औद्योगिक श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर महंगाई राहत।
- ग्रेच्युटी के अतिरिक्त सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त भुगतान।
- सेवा के प्रत्येक छह महीने पूरे होने पर सेवानिवृत्ति की तिथि पर मासिक परिलब्धियों (वेतन+डीए) का 1/10वां हिस्सा।
- इस भुगतान से सुनिश्चित पेंशन की मात्रा कम नहीं होगी। ■

भारतीय नौसेना में दूसरी अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बी 'आईएनएस अरिघात' शामिल की गई

'अरिघात' भारत के परमाणु ट्रायड को और मजबूत करेगी, परमाणु प्रतिरोध बढ़ाएगी, रणनीतिक संतुलन एवं शांति स्थापित करेगी तथा देश की सुरक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएगी

दूसरी अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बी 'आईएनएस अरिघात' को 29 अगस्त, 2024 को विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। आईएनएस अरिघात के निर्माण में उन्नत डिजाइन और विनिर्माण प्रौद्योगिकी, विस्तृत अनुसंधान एवं विकास, विशेष सामग्रियों का उपयोग, जटिल इंजीनियरिंग और अत्यधिक कुशल कारीगरी का इस्तेमाल शामिल है। इसे स्वदेशी प्रणालियों और उपकरणों से युक्त होने का गौरव प्राप्त है, जिनकी अवधारणा, डिजाइन, निर्माण और एकीकरण भारतीय वैज्ञानिकों, उद्योग और नौसेना कर्मियों द्वारा किया गया है।

इस पनडुब्बी पर स्वदेशी रूप से की गई तकनीकी प्रगति इसे इसके पूर्ववर्ती अरिहंत की तुलना में काफी उन्नत बनाती है। आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात दोनों की मौजूदगी संभावित शत्रुओं को रोकने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की भारत की क्षमता बढ़ाएगी।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि 'अरिघात' भूमि, जल और वायु प्लेटफॉर्मों पर परमाणु हथियारों की भारत की सैनिक रणनीति (न्यूक्लीयर ट्रायड) को और मजबूत करेगा, परमाणु निवारण बढ़ाएगा, क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन और शांति स्थापित करने में मदद करेगा तथा देश की सुरक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए एक उपलब्धि और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के अटूट संकल्प का प्रमाण बताया।

श्री राजनाथ सिंह ने इस क्षमता को हासिल करने में भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और उद्योग जगत की कड़ी मेहनत और तालमेल की सराहना की। उन्होंने इस आत्मनिर्भरता को आत्मशक्ति की नींव बताया। उन्होंने इस तथ्य की सराहना की कि देश के औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर एमएसएमई को इस परियोजना के माध्यम से भारी बढ़ावा मिला है और अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीतिक इच्छाशक्ति को याद करते हुए, जिसने भारत को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र के समकक्ष खड़ा कर दिया, रक्षा मंत्री ने कहा, "आज भारत विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है। हमारे लिए रक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास करना जरूरी है, खासकर आज के भू-राजनीतिक परिदृश्य में। आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ हमें एक मजबूत सेना की जरूरत है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है कि हमारे सैनिकों के पास भारत की धरती पर बने उच्च गुणवत्ता वाले हथियार और प्लेटफॉर्म हों।" ■

भारतीय वायु सेना के एसयू-30 एमकेआई विमानों के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड से 240 एयरो-इंजन की खरीद को मिली मंजूरी

एसयू-30 एमकेआई भारतीय वायु सेना के बेड़े में शामिल सबसे शक्तिशाली और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विमानों में से एक है। हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा एयरो इंजन की आपूर्ति भारतीय वायुसेना के बेड़े की प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी

केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने दो सितंबर, 2024 को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एसयू-30 एमकेआई विमान के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 240 एयरो-इंजन (एएल-31एफपी) की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसकी खरीद सभी करों और शुल्कों सहित 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इन एयरो-इंजन की आपूर्ति एक साल बाद शुरू होगी और आठ साल की अवधि के भीतर पूरी हो जाएगी।

ये इंजन 54 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से बने हैं और इनके कुछ प्रमुख घटकों को देश में ही तैयार किया गया है। इनका निर्माण हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड के कोरापुट प्रभाग में किया जाएगा।

एसयू-30 एमकेआई भारतीय वायु सेना के बेड़े में शामिल सबसे शक्तिशाली और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विमानों में से एक है। हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा एयरो इंजन की आपूर्ति भारतीय वायुसेना के बेड़े की प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी। इस व्यवस्था से निर्बाध गतिविधियों के साथ देश की रक्षा तैयारियां मजबूत होंगी। ■

रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने 1.45 लाख करोड़ रुपये के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को दी मंजूरी

फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स, एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार, डोर्नियर-228 विमान, अगली पीढ़ी के तेज गश्ती एवं अपतटीय गश्ती जहाजों की खरीद को मंजूरी मिली

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद् (डीएसी) ने तीन सितंबर, 2024 को 1,44,716 करोड़ रुपये की राशि के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। एओएन की कुल लागत का 99 प्रतिशत हिस्सा स्वदेशी स्रोतों से खरीद (भारतीय) और खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) श्रेणियों के तहत है।

भारतीय सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स (एफआरसीवी) की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। एफआरसीवी बेहतर गतिशीलता, सभी इलाकों में पहुंच सकने की क्षमता, बहुस्तरीय सुरक्षा, वास्तविक समय में स्थितिजन्य जागरूकता के साथ घातक एवं सटीक फायर करने की क्षमता से लैस भविष्य का एक मुख्य युद्धक टैंक होगा।

एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार की खरीद के लिए भी एओएन प्रदान की गई, जो हवाई लक्ष्य का पता लगाएगा एवं उसकी निगरानी करेगा और फायरिंग संबंधी समाधान प्रदान करेगा। इस प्रस्ताव को फॉरवर्ड रिपेयर टीम (ट्रैक्ड) के लिए भी मंजूरी दे दी गई है, जिसके पास मशीनीकृत संचालन के दौरान यथास्थान पर मरम्मत करने के लिए उपयुक्त देशव्यापी (क्रॉस कंट्री) आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। यह उपकरण आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड द्वारा डिजाइन एवं विकसित किया गया है और मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन तथा आर्मर्ड रेजिमेंट दोनों के लिए अधिकृत है।

भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) की क्षमताओं को उन्नत करने के लिए तीन एओएन प्रदान किए गए हैं। डोर्नियर-228 विमान, खराब मौसम की स्थिति में उच्च स्तर की परिचालन संबंधी सुविधाओं वाले अगली पीढ़ी के तेज गश्ती जहाजों और उन्नत तकनीक एवं लंबी दूरी के अभियान की बेहतर क्षमता से लैस अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती जहाजों की खरीद से आईसीजी की निगरानी, समुद्री क्षेत्र में गश्त करने, खोज एवं बचाव और आपदा राहत अभियान की क्षमता में वृद्धि होगी। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत एक और सेमीकंडक्टर इकाई को दी स्वीकृति

प्रस्तावित इकाई 3,300 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएगी। इस इकाई की क्षमता 60 लाख चिप प्रतिदिन होगी

एक जीवंत सेमीकंडक्टर इको-सिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो सितंबर को गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए कायन्स सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

प्रस्तावित इकाई 3,300 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएगी। इस इकाई की क्षमता 60 लाख चिप प्रतिदिन होगी। इस इकाई में उत्पादित चिप विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों को पूरा करेंगे, जिनमें औद्योगिक, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, मोबाइल फोन आदि जैसे खंड शामिल हैं।

द प्रोग्राम फॉर डेवलपमेंट ऑफ सेमीकंडक्टर्स एंड डिस्प्ले मैन्युफेक्चरिंग इकोसिस्टम इन इंडिया को 21 दिसंबर, 2021 को कुल 76,000 करोड़ रु. के परिव्यय के साथ अधिसूचित किया गया था।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के पहले प्रस्ताव को जून, 2023 में मंजूरी दी थी। फरवरी, 2024 में तीन और सेमीकंडक्टर इकाइयों को स्वीकृति दी गई। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स धोलेरा, गुजरात में एक सेमीकंडक्टर फैब और असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित कर

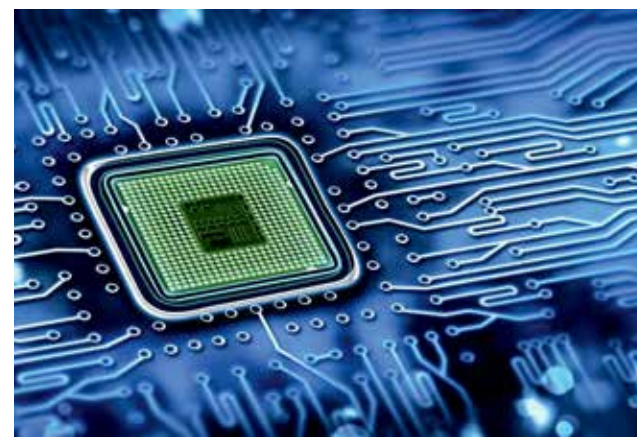

रही है। सीजी पावर गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित कर रही है।

सभी 4 सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है और इकाइयों के पास एक मजबूत सेमीकंडक्टर इको-सिस्टम उभर रहा है। ये 4 इकाइयां लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाएंगी। इन इकाइयों की संचयी क्षमता लगभग 7 करोड़ चिप प्रतिदिन है। ■

किसानों का जीवन और आजीविका सुधारने के लिए 14235.30 करोड़ रुपये की सात प्रमुख योजनाओं को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने किसानों का जीवन स्तर बेहतर बनाने तथा उनकी आय बढ़ाने के लिए 14235.30 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली सात योजनाओं को दो सितंबर को मंजूरी दे दी।

डिजिटल कृषि मिशन: डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के स्वरूप पर आधारित डिजिटल कृषि मिशन किसानों का जीवन बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगा। इस मिशन का कुल परिव्यय 2,817 करोड़ रुपये है। इसमें दो आधारभूत स्तंभ शामिल हैं। 1. एग्री स्टैक— किसान की रजिस्ट्री; गांव की भूमि के नक्शे की रजिस्ट्री; बोई गई फसल की रजिस्ट्री; 2. कृषि निर्णय सहायता प्रणाली— भूस्थानिक डेटा; सूखा/बाढ़ निगरानी; मौसम/उपग्रह डेटा; भूजल/जल उपलब्धता डेटा; फसल उपज और बीमा मॉडलिंग।

खाद्यान्न के लिए फसल विज्ञान और पोषण संबंधी सुरक्षा: कुल 3,979 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ यह पहल किसानों को जलवायु लचीलेपन के लिए तैयार करेगी और 2047 तक खाद्य सुरक्षा प्रदान करेगी। इसके स्तंभ हैं— अनुसंधान और शिक्षा; पादप आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन; खाद्य एवं चारा फसल के लिए आनुवंशिक सुधार; दलहन और तिलहन की फसल में सुधार; व्यावसायिक फसलों में सुधार; कीटों, सूक्ष्म जीवों, परागणकारकों आदि पर अनुसंधान।

कृषि शिक्षा, प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान को मजबूत करना: 2,291 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ यह उपाय कृषि छात्रों और शोधकर्ताओं को वर्तमान चुनौतियों के लिए तैयार करेगा।

पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन को बनाए रखना: 1,702 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ इस निर्णय का उद्देश्य पशुधन और डेयरी से किसानों की आय बढ़ाना है।

बागवानी का निरंतर विकास: 1129.30 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ इस उपाय का उद्देश्य बागवानी पौधों से किसानों की आय बढ़ाना है।

- 1,202 करोड़ रुपये के परिव्यय से कृषि विज्ञान केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण।
- 1,115 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन। ■

उद्यम पोर्टल ने एमएसएमई का बदला स्वरूप, 4.91 करोड़ से अधिक उद्यम पंजीकृत

एमएसएमई ने अपेक्षाकृत कम पूंजी लागत पर लाखों नौकरियां सृजित की हैं और कृषि के बाद यह रोजगार सृजन में दूसरे स्थान पर है

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा 30 अगस्त को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अभी तक उद्यम पोर्टल पर कुल 4,91,47,316 पंजीकृत एमएसएमई हैं, जिनमें से अधिकांश को सूक्ष्म उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अपने आर्थिक योगदान के अलावा इन एमएसएमई ने पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। देशभर में 21.17 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है जो कि सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार दुनिया भर में एमएसएमई 90% व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करते हैं; 60 से 70% रोजगार सृजित करते हैं और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 50% का योगदान देते हैं। भारत में पिछले पांच दशकों में एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एमएसएमई ने अपेक्षाकृत कम पूंजी लागत पर लाखों नौकरियां सृजित की हैं और कृषि के बाद यह रोजगार सृजन में दूसरे स्थान पर है।

एमएसएमई सेक्टर ने पिछले कुछ वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई द्वारा सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 2017-18 में 29.7%, जो 2018-19 और 2019-20 में बढ़कर 30.5% हो गया। कोविड-19 महामारी के बावजूद इस क्षेत्र ने वर्ष 2020-21 में 27.3% का योगदान बनाए रखा, जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर 29.6% और 2022-23 में 30.1% तक पहुंच गया।

एमएसएमई ने 2019-20 में भारत के निर्यात में 49.75% का योगदान दिया, जो 2020-21 में घटकर 49.35% और 2021-22 में 45.03% रह गया। साल 2022-23 में यह आंकड़ा घटकर 43.59% रह गया, जो कि वर्ष 2023-24 में बढ़कर 45.73% और मई, 2024 तक 45.79% हो गया। ■

भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, NLFT और ATTF के बीच एक समझौता ज्ञापन पर किए गए हस्ताक्षर

मोदी सरकार द्वारा पूर्वोत्तर में किए गए 12 समझौतों के कारण 10 हज़ार उग्रवादी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आए

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (NLFT) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (ATTF) के बीच चार सितंबर को नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ये समझौता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शांतिपूर्ण, समृद्ध और उग्रवाद-मुक्त नॉर्थ-ईस्ट के विज़न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन पूरे देश और त्रिपुरा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (NLFT) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (ATTF) ने 35 साल से त्रिपुरा में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने और पूरे त्रिपुरा के विकास के प्रति अपनी कटिबद्धता व्यक्त की है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज का ये समझौता नॉर्थ-ईस्ट के लिए 12वां और त्रिपुरा से जुड़ा तीसरा समझौता है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के माध्यम से अब तक लगभग 10 हज़ार उग्रवादी हथियार छोड़कर मेनस्ट्रीम में आए हैं।

श्री शाह ने कहा कि आज के समझौते के तहत 328 से अधिक सशस्त्र कैडर हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर न सिर्फ विकसित त्रिपुरा, बल्कि विकसित भारत के निर्माण में भी योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने त्रिपुरा की जनजातीय

आबादी के समग्र विकास के लिए 250 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को मंज़ूरी दी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ब्रू-रियांग समझौता होने के बाद आज हज़ारों ब्रू-रियांग भाई अपने घरों में रह रहे हैं, उनके बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ रहे हैं, उनके रोज़गार की चिंता की जा रही है और भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ उन्हें मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस समझौते का भी पूरी तरह पालन करेगी और गृह मंत्रालय सभी की अपेक्षाओं को पूरा करने का हरसंभव प्रयास करेगा।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 2015 में ही त्रिपुरा से AFSPA को हटा लिया था, अधिकांश नॉर्थ-ईस्ट से भी AFSPA को हटा लिया गया है। ■

मुंबई और इंदौर के बीच 309 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन परियोजना को मिली मंजूरी

यह परियोजना 2 राज्यों— महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी। इससे लगभग 1,000 गांवों और 30 लाख आबादी को सम्पर्क मिलेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने दो सितंबर को रेल मंत्रालय के तहत 18,036 करोड़ रुपये (लगभग) की कुल लागत वाली नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दे दी। इंदौर और मनमाड के बीच प्रस्तावित नई लाइन सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी और गतिशीलता में सुधार करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के लिए बेहतर दक्षता और सेवा विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी।

यह परियोजना 2 राज्यों— महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 309 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इस परियोजना के साथ 30 नए स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे आकांक्षी जिले बड़वानी को बेहतर सम्पर्क मिलेगा। नई रेलवे लाइन परियोजना से लगभग 1,000 गांवों और 30 लाख आबादी को सम्पर्क मिलेगा।

परियोजना देश के पश्चिमी/दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को मध्य भारत से जोड़ने वाला छोटा रास्ता उपलब्ध कराकर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी। इससे श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर सहित उज्जैन-इंदौर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

परियोजना से पीथमपुर ऑटो क्लस्टर (90 बड़ी इकाइयां और 700 छोटे और मध्यम उद्योग) को जेएनपीए के गेटवे पोर्ट और अन्य राज्य बंदरगाहों से सीधा सम्पर्क मिलेगा। परियोजना मध्य प्रदेश के बाजरा उत्पादक जिलों और महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों को भी सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी, जिससे देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में इसके वितरण में सुविधा होगी। ■

मोदीजी के नेतृत्व में किसानों का चल रहा है 'स्वर्णिम युग'

राजकुमार चाहर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के जीवन को क्रांतिकारी तरीके से बदलने के लिए बड़ी घोषणा की है। मोदी कैबिनेट ने 13,966 करोड़ रुपये की लागत वाली सात प्रमुख कृषि परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। किसानों के हित में लिये गये इस निर्णय के लिए देश के सभी अन्नदाताओं एवं भाजपा किसान मोर्चा की ओर से श्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। श्री मोदी की सरकार ने किसानों के जीवन को नई दिशा देने का संकल्प लिया है, जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र में एक नया युग प्रारंभ हो गया है।

मोदी सरकार के नेतृत्व में हमने सफल पायलट प्रोजेक्ट्स के आधार पर 2,817 करोड़ रुपये के डिजिटल कृषि मिशन की शुरुआत की है। यह मिशन कृषि के लिए डिजिटल अवसंरचना का निर्माण करेगा, जो किसानों की जिंदगी को नई तकनीकी ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

कैबिनेट ने किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में स्थायित्व लाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इनमें से पहला है डिजिटल कृषि मिशन, जो एआई, बिग डेटा और रिमोट सेंसिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करेगा।

इसके अलावा, खाद्य और पोषण सुरक्षा को लेकर 3,979 करोड़ रुपये की लागत से 6 प्रमुख स्तंभों पर आधारित कार्यक्रम शुरू किया जाएगा, जो 2047 तक जलवायु-संवेदनशील फसल विज्ञान को बढ़ावा देगा।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) के तहत कृषि शिक्षा के आधुनिकीकरण के लिए 2,291 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिसमें डिजिटल बुनियादी ढांचे और नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम में सुधार शामिल है।

पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन के लिए 1,702 करोड़ रुपये, बागवानी के विकास के लिए 860 करोड़ रुपये और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए क्रमशः 1,115 करोड़ रुपये और 1,202 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

डिजिटल कृषि मिशन को कैबिनेट की मंज़ूरी मिलना एक एतिहासिक निर्णय

इस मिशन का उद्देश्य भारतीय कृषि को डिजिटल युग में प्रवेश कराना और किसानों को अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।

> कैबिनेट ने किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में स्थायित्व लाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इनमें से पहला है डिजिटल कृषि मिशन, जो एआई, बिग डेटा और रिमोट सेंसिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करेगा

डिजिटल क्रांति से बदलेगी खेती की तस्वीर

डिजिटल कृषि मिशन की योजना को एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ तैयार किया गया है, जिसमें डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) का निर्माण, डिजिटल फसल अनुमान सर्वेक्षण (डीजीसीईएस) का कार्यान्वयन और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अन्य आईटी पहलों को अपनाना शामिल है। इस मिशन के तहत तीन प्रमुख डीपीआई—एग्रीस्टैक, कृषि निर्णय सहायता प्रणाली और मृदा प्रोफाइल मैपिंग बनाए जाएंगे, जो किसानों के लिए सेवाओं को सुगम और तेज़ बनाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करेंगे।

किसानों को मिलेगी 'किसान आईडी'

डिजिटल कृषि मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू 'एग्रीस्टैक' है, जो किसानों को आधार की तरह ही एक डिजिटल पहचान प्रदान करेगा, जिसे 'किसान आईडी' के रूप में जाना जाएगा। यह पहचान पत्र राज्य के भूमि अभिलेखों, पशुधन स्वामित्व, बोई गई फसलों और अन्य जनसांख्यिकीय विवरणों से जुड़ा होगा। इस प्रणाली का उद्देश्य किसानों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ सीधे और कुशलता से पहुंचाना है। 11 करोड़ किसानों के लिए डिजिटल पहचान बनाने का लक्ष्य है। इनमें वित्त वर्ष 2024-25 में छह करोड़ किसानों, वित्त वर्ष 2025-26 में तीन करोड़ किसानों और वित्त वर्ष 2026-27 में दो करोड़ किसानों के पहचान पत्र बनाना शामिल है।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण से मिलेगा सटीक अनुमान

डिजिटल फसल सर्वेक्षण (डीजीसीईएस) के तहत वैज्ञानिक रूप से डिज़ाइन किए गए फसल-कटाई प्रयोगों के आधार पर उपज का सटीक अनुमान लगाया जाएगा। यह पहल कृषि उत्पादन की भविष्यवाणी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे सरकार और किसान दोनों को लाभ होगा। इस कार्यक्रम को पहले से ही 11 राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा चुका है और अगले

दो वर्षों में इसे पूरे देश में शुरू करने की योजना है।

भूमि की मृदा प्रोफाइल मैपिंग से बढ़ेगी पैदावार

मिशन के तहत देश की लगभग 142 मिलियन हेक्टेयर कृषि भूमि के लिए विस्तृत मृदा प्रोफाइल मानचित्र तैयार किया जाएगा। यह प्रणाली किसानों को उनकी भूमि की मृदा की सटीक जानकारी प्रदान करेगी, जिससे उन्हें सही फसल और उर्वरकों का चयन करने में मदद मिलेगी। इससे कृषि पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

डिजिटल कृषि मिशन के तहत न केवल किसानों को लाभ होगा, बल्कि यह मिशन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा। डिजिटल फसल सर्वेक्षण और रिमोट सेंसिंग के लिए जमीनी आंकड़ों के संग्रह के लिए लगभग 2.5 लाख स्थानीय युवाओं और कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार मिलेगा।

डिजिटल कृषि मिशन का लक्ष्य किसानों और कृषि क्षेत्र के हितधारकों के लिए सेवा वितरण तंत्र को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाना है। मिशन के विभिन्न घटकों को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित किया जाएगा, जिससे अंततः किसानों को ही लाभ पहुंचेगा। इस मिशन के माध्यम से भारत का कृषि क्षेत्र एक नए युग में प्रवेश करेगा, जहां डिजिटल तकनीकें किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। किसानों के जीवन में ऐसे महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी बदलावों के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का बहुत-बहुत आभार। ■

(लेखक भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय लगभग 1 एकड़ भूमि पर 'मातृ वन' स्थापित करेगा

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 29 अगस्त, 2024 को #एक_पेड़_माँ_के_नाम #Plant4Mother अभियान के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) कैंपस पूसा में पौधारोपण किया। श्री चौहान ने बताया कि मंत्रालय लगभग 1 एकड़ भूमि में 'मातृ वन' स्थापित करेगा। कार्यक्रम में राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर, सचिव डेयर एवं महानिदेशक आईसीएआर डॉ. हिमांशु पाठक, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के लगभग 200 अधिकारी/कर्मचारी और स्कूली छात्र भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) के सभी अधीनस्थ कार्यालय, आईसीएआर संस्थान, सीएयू, केवीके और एसएयू भी अपने-अपने स्थानों पर इसी तरह का वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। श्री चौहान ने यह भी बताया कि आज कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत 800 से अधिक संस्थानों ने भाग लिया और उम्मीद है कि कार्यक्रम के दौरान 3000-4000 पौधे लगाए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वैश्विक अभियान #एक_पेड़_माँ_के_नाम #Plant4Mother का शुभारंभ किया था और प्रधानमंत्री के संकल्प को सुनिश्चित करने के लिए आज हमारे मंत्रालयों ने जन आंदोलन के रूप में #एक_पेड़_माँ_के_नाम #Plant4Mother अभियान की शुरुआत की है। श्री चौहान ने इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों और स्कूली विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस अभियान में भाग लें और वृक्षारोपण करके अपनी माँ और धरती माँ के प्रति सम्मान प्रकट करें।

वैश्विक अभियान के हिस्से के रूप में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि सितंबर 2024 तक देशभर में 80 करोड़ पौधे और मार्च 2025 तक 140 करोड़ पौधे लगाए जाएं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 20 जून 2024 को असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में वृक्षारोपण गतिविधि शुरू की, जिसमें व्यक्तियों ने अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाए। ■

लखपति दीदी सम्मेलन जलगांव, महाराष्ट्र

प्रधानमंत्री ने 11 लाख नई लखपति दीदियों को किया सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त को महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने हाल ही में मौजूदा सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान लखपति बनी 11 लाख नई लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र दिए और उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री ने देश भर की लखपति दीदियों से बातचीत भी की। श्री मोदी ने 2,500 करोड़ रुपये का रिवॉल्विंग फंड जारी किया, जिससे 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लगभग 48 लाख सदस्यों को लाभ मिलेगा। उन्होंने 5,000 करोड़ रुपये के बैंक ऋण भी वितरित किए, जिससे 2.35 लाख एसएचजी के 25.8 लाख सदस्यों को लाभ मिलेगा। लखपति दीदी योजना की शुरुआत से अब तक एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है और सरकार ने तीन करोड़ लखपति दीदियों का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित माताओं और बहनों की विशाल भीड़ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। अपनी बातों को आगे बढ़ने से पहले श्री मोदी ने नेपाल के तनहुन में बस दुर्घटना त्रासदी के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिसमें जलगांव के कई लोगों की जान चली गई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना होते ही अधिकारियों ने अपने नेपाली समकक्षों से संपर्क किया और केंद्रीय मंत्री रक्षाताई खडसे को नेपाल भेजा गया। श्री मोदी ने कहा कि मृतकों के पार्थिव शरीर वायुसेना के विशेष विमान से लाए गए हैं और घायलों की देखभाल की जा रही है। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और केंद्र तथा राज्य सरकारों से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

श्री मोदी ने लखपति दीदी सम्मेलन के विशाल आयोजन में माताओं और बहनों की भारी भीड़ की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "आज, पूरे भारत में फैले लाखों महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 6000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गई।" उन्होंने कहा कि धनराशि का यह कोष कई महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री ने अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान महाराष्ट्र की अपनी यात्रा को याद करते हुए जब प्रधानमंत्री ने 3 करोड़ लखपति दीदियों को बनाने की इच्छा व्यक्त की थी, श्री मोदी ने बताया कि पिछले 10 वर्षों के दौरान 1 करोड़ लखपति दीदियां बनाई गईं, जबकि पिछले दो महीनों में ही 11 लाख नई लखपति दीदियां बनाई गईं। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में भी 1 लाख लखपति दीदियां बनाई गईं।"

4 करोड़ घरों में से अधिकांश महिलाओं के नाम पर पंजीकृत

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार ने गरीबों के लिए घरों की रजिस्ट्री घर की महिला के नाम पर करने का फैसला किया है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि अब तक बने 4 करोड़ घरों में से अधिकांश महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हैं। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में बनने वाले 3 करोड़ घरों में से भी अधिकांश महिलाओं के नाम पर पंजीकृत होंगे।

श्री मोदी ने कहा कि सखी मंडलियों और महिला स्वयं सहायता समूहों के महत्व को पहले मान्यता नहीं दी गई थी, जबकि आज वे भारत की अर्थव्यवस्था में एक बड़ी शक्ति बनने की राह पर हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों में दस करोड़ महिलाएं इस अभियान से जुड़ चुकी हैं और उन्हें कम ब्याज वाले ऋण की आसान सुविधा के लिए बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बनाया गया है। श्री मोदी ने बताया कि 2014 में स्वयं सहायता समूहों के लिए 25,000 करोड़ रुपये से कम के बैंक ऋण स्वीकृत किए गए थे, जबकि आज यह धनराशि पिछले 10 वर्षों में बढ़कर 9 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

पिछले महीने सदन द्वारा पारित केंद्रीय बजट के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं से संबंधित योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। ■

प्रधानमंत्री ने इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम को किया संबोधित

'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' हमारा मंत्र रहा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम में देश के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अद्भुत चर्चा हुई होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कि ये चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब दुनिया को भारत पर भरोसा है।

श्री मोदी ने बताया कि पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 90 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल 35 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसका श्रेय उन्होंने निरंतर वृद्धि हासिल करने को दिया और आश्वासन दिया कि यह भविष्य में भी जारी रहेगा।

श्री मोदी ने कहा कि 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' (सुधार, निष्पादन और परिवर्तन) हमारा मंत्र रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लोगों ने पिछले 10 वर्षों में सरकार की सेवा भावना और देश की उपलब्धियों को देखा है।

हाल की उपलब्धियां गिनाते हुए श्री मोदी ने गरीबों के लिए 3 करोड़ पक्के मकान, एकीकृत पेंशन योजना, कृषि बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 1 लाख करोड़ का फंड, किसानों के लिए कई बीजों के बेहतर गुणवत्ता वाले संस्करणों की शुरुआत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2 लाख करोड़ रुपये का पीएम पैकेज, जिसका सीधा फायदा 4 करोड़ से ज्यादा युवाओं को मिलेगा।

1 लाख करोड़ रुपये का अनुसंधान कोष

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार भारत को कौशल, ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत को भागीदार बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष के बजट में इस पर बहुत जोर दिया गया है, जिसका असर 1 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान कोष के रूप में देखने को मिला है। श्री मोदी ने मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों द्वारा विदेश में पढ़ाई पर भारी मात्रा में पैसा खर्च करने का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार लोगों को अत्यधिक खर्च से बचाने के लिए भारत में शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसर खोलने जैसे कदम उठा रही है।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आजादी के बाद पहले 7 दशकों में 80 हजार की तुलना में पिछले दशक में लगभग 1 लाख नई एमबीबीएस-एमडी सीटें बढ़ाई गईं। उन्होंने इस साल के स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान अगले 5 वर्षों में 75 हजार नई मेडिकल सीटें बढ़ाने की घोषणा का भी जिक्र किया।

'विकसित भारत' के एक अन्य महत्वपूर्ण स्तंभ पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रधानमंत्री ने हरित ऊर्जा क्षेत्र के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने जी-20 में भारत की सफलता पर प्रकाश डाला, जहां हरित हाइड्रोजन पहल को सभी देशों से समर्थन मिला और 2030 तक 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन के उत्पादन की क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उसी वर्ष तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की घोषणा की।

'आज का भारत' अवसरों की भूमि है

श्री मोदी ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा हाल ही में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत अवसरों की भूमि है और हमें विश्वास है कि भारत का भविष्य और भी उज्ज्वल होगा।

अपने समापन भाषण में श्री मोदी ने 2047 तक भारत के विकसित भारत बनने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने सभी नागरिकों और हितधारकों को इस यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और भारत में और अधिक कंपनियों को वैश्विक ब्रांड बनते देखने की उम्मीद जताई। श्री मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि भारत दुनिया भर में हर क्षेत्र में नेतृत्व करे। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम एक स्थिर नीतिगत व्यवस्था और विकास को सुगम बनाने, सुधार करने और उसे प्रदान करने का भरोसा देते हैं। श्री मोदी ने सभागार में मौजूद लोगों से कहा कि आपको नवाचार करने, बेहतर प्रदर्शन करने, सकारात्मक आलोचना करने और उच्च गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का वादा करना चाहिए। ■

आतंकवाद के सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों की निंदा

ब्रुनेई दारुस्सलाम के सुल्तान एवं यांग डि-पर्तुआन महामहिम सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया मुइज़्ज़ादीन वद्दौला इब्नी अल-मरहुम सुल्तान हाजी उमर अली सैफुद्दीन साददुल खैरी वादीन के निमंत्रण पर भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 से 4 सितंबर 2024 के दौरान ब्रुनेई दारुस्सलाम की आधिकारिक यात्रा की। ब्रुनेई दारुस्सलाम की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यह पहली यात्रा होने के साथ-साथ किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। यह यात्रा भारत और ब्रुनेई के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर हुई। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर 4-5 सितंबर, 2024 को सिंगापुर पहुंचे

ब्रुनेई दारुस्सलाम पहुंचने पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का ब्रुनेई दारुस्सलाम के क्राउन प्रिंस तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में वरिष्ठ मंत्री महामहिम प्रिंस हाजी अल-मुहतादी बिल्लाह ने स्वागत किया। महामहिम ने प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की और इस्ताना नुरुल इमान में उनके लिए आधिकारिक दोपहर के भोजन का आयोजन किया।

दोनों नेताओं ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर हुई है और यह स्वीकार किया कि ब्रुनेई दारुस्सलाम और भारत के बीच गहरी मित्रता पिछले चार दशकों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत हुई है।

पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में उत्कृष्ट प्रगति को रेखांकित करते हुए दोनों नेताओं ने आपसी हित के सभी क्षेत्रों में साझेदारी को और अधिक मजबूत करने, गहरा करने और आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

दोनों नेताओं ने रक्षा, कनेक्टिविटी, व्यापार एवं निवेश, नवीकरणीय समेत ऊर्जा, अंतरिक्ष, आईसीटी, स्वास्थ्य एवं फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा एवं क्षमता निर्माण, संस्कृति, पर्यटन, युवा और दोनों देशों के लोगों के बीच पारस्परिक आदान-प्रदान के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों सहित विभिन्न मसलों पर सहयोग बढ़ाने के बारे में चर्चा की।

दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच यात्राओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संयुक्त अभ्यास और नौसेना व तटरक्षक जहाजों के नियमित आदान-प्रदान सहित रक्षा और समुद्री सहयोग बढ़ाने के महत्व को स्वीकार किया। दोनों नेताओं ने बंदर सेरी बेगवान और चेन्नई के बीच योजनाबद्ध सीधी उड़ान कनेक्टिविटी का स्वागत किया, जो दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देगा और दोनों देशों के बीच व्यापार एवं पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने में मदद करेगा।

दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा, समृद्धि और सुदृढ़ता को बनाए रखने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया और संयुक्त राष्ट्र चार्टर एवं अंतरराष्ट्रीय कानून में उल्लिखित सिद्धांतों का पालन करने के महत्व को रेखांकित किया। दोनों नेता आसियान-भारत संवाद संबंध, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, आसियान क्षेत्रीय मंच, एशिया-यूरोप बैठक (एएसईएम) और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) जैसे विभिन्न क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए।

दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों की निंदा की और सभी राष्ट्रों से इसे अस्वीकार करने का आह्वान किया। दोनों नेता पेरिस समझौते जैसे अंतरराष्ट्रीय जलवायु उद्देश्यों के अनुरूप जलवायु परिवर्तन से निपटने और इस बढ़ती चुनौती के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के प्रयासों को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर सहमत हुए।

प्रधानमंत्री ने वॉयस ऑफ द् ग्लोबल साउथ समिट (वीओजीएसएस) में ब्रुनेई दारुस्सलाम की निरंतर भागीदारी का स्वागत किया। भारत के नेतृत्व वाली इस पहल का उद्देश्य ग्लोबल साउथ के देशों को विभिन्न मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को साझा करने के लिए एक साझा मंच पर लाना है। ■

भारत और सिंगापुर ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया

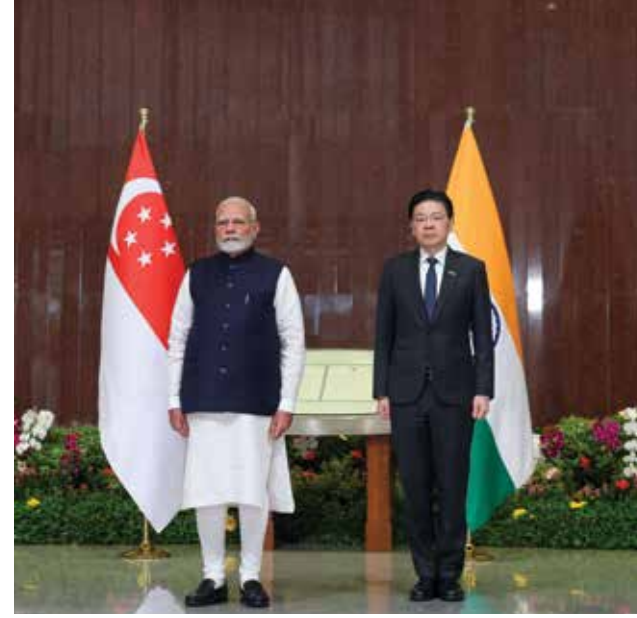

ब्रुनेई के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के अगले चरण में सिंगापुर पहुंचे। प्रधानमंत्री के तौर पर यह श्री मोदी की पांचवीं सिंगापुर यात्रा थी, इससे पहले की उनकी सभी चार यात्राएं श्री मोदी के पहले कार्यकाल में हुई थीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच सितंबर को सिंगापुर के प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग से भेंट की। श्री मोदी का प्रधानमंत्री श्री वोंग ने संसद भवन में औपचारिक स्वागत किया। दोनों नेताओं ने अपने वार्तालाप के दौरान भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति की समीक्षा की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापकता, आपसी जुड़ाव और अपार संभावनाओं को देखते हुए इस संबंध को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। इससे भारत की एक्ट ईस्ट नीति को भी अत्यधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

आर्थिक संबंधों में मजबूत प्रगति की समीक्षा करते हुए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश प्रवाह को और बढ़ाने का भी आह्वान किया गया। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था में करीब 160 अरब डॉलर के निवेश के साथ सिंगापुर भारत का प्रमुख आर्थिक साझेदार है। उन्होंने कहा कि भारत में त्वरित और सतत विकास ने सिंगापुर की संस्थाओं के लिए निवेश के अपार अवसर खोले हैं।

उन्होंने रक्षा और सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र जागरूकता, शिक्षा, एआई, फिनटेक, नवीन प्रौद्योगिकी क्षेत्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं ज्ञान साझेदारी के क्षेत्र में वर्तमान सहयोग की भी समीक्षा की। दोनों नेताओं ने आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने के लिए देशों के बीच संपर्क को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने हरित गलियारा परियोजनाओं में तेजी लाने की भी प्रतिबद्धता जताई।

दोनों नेताओं ने अगस्त, 2024 में सिंगापुर में आयोजित दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के परिणामों पर विचार-विमर्श किया। मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन जैसी असाधारण व्यवस्था को देखते हुए द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक नए एजेंडे पर विचार-विमर्श करने और उसकी पहचान करने में दोनों पक्षों के वरिष्ठ मंत्रियों द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना की गई।

बैठक के दौरान 2025 में द्विपक्षीय संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मनाने पर भी चर्चा की गई। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को एक महत्वपूर्ण घटक के तौर पर स्वीकारते हुए प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत का पहला तिरुवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र सिंगापुर में खोला जाएगा। दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर, डिजिटल प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवा में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया।

एईएम का दौरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच सितंबर को प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग के साथ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अग्रणी सिंगापुर की कंपनी एईएम का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्हें वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एईएम की भूमिका, इसके संचालन और भारत के लिए योजनाओं के संदर्भ में जानकारी दी गई। सिंगापुर सेमीकंडक्टर उद्योग संघ ने सिंगापुर में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास और भारत के साथ सहयोग के अवसरों से जुड़ी जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी।

भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकोसिस्टम को विकसित करने के अपने प्रयासों और इस क्षेत्र में सिंगापुर की क्षमता को देखते हुए दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग को विस्तार करने का निर्णय लिया है। भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज की दूसरी बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए सेमीकंडक्टर पर ध्यान केंद्रित करते हुए अत्याधुनिक विनिर्माण को एक स्तंभ के रूप में साझा करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने भारत-सिंगापुर सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम साझेदारी पर समझौता ज्ञापन को भी पूर्ण किया है।

इस सुविधा केंद्र में दोनों प्रधानमंत्रियों ने सिंगापुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ओडिशा के विश्व कौशल केंद्र के भारतीय प्रशिक्षुओं के साथ-साथ सीआईआई-एंटरप्राइज सिंगापुर इंडिया रेडी टैलेंट प्रोग्राम के अंतर्गत भारत आए सिंगापुर के प्रशिक्षुओं और एईएम में कार्यरत भारतीय अभियंताओं के साथ भी वार्तालाप किया। ■

भारत और यूएई के बीच समग्र रणनीतिक साझेदारी में हुई पर्याप्त प्रगति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 9-10 सितंबर के लिए भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के तौर पर यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा थी। क्राउन प्रिंस ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूएई के बीच समग्र रणनीतिक साझेदारी में हुई पर्याप्त प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने और बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने माना कि समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की सफलता और हाल ही में लागू हुई द्वपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) से दोनों देशों के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी को और मज़बूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने परमाणु ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों, हरित हाइड्रोजन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और अत्याधुनिक तकनीक समेत अन्य क्षेत्रों में अप्रयुक्त क्षमताओं पर काम करने पर ज़ोर दिया।

यात्रा के दौरान निम्न समझौता ज्ञापन/समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए:

- न्यूक्लियर पावर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएनपीसीआईएल) और एमिरेट्स न्यूक्लियर एनर्जी कार्पोरेशन (ईएनईसी) के बीच परमाणु सहयोग पर समझौता ज्ञापन
- दीर्घावधि एलएनजी आपूर्ति को लेकर अबू धाबी आयल कंपनी (एडीएनओसी) और इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड के बीच समझौता
- एडीएनओसी और भारतीय सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) के बीच समझौता
- अबू धाबी ऑनशोर ब्लॉक 1 के लिए ऊर्जा भारत और एडीएनओसी के बीच उत्पादन रियायत समझौता
- भारत में फूड पार्क के विकास के लिए गुजरात सरकार और अबू धाबी डेवलपमेंटल होल्डिंग कंपनी पीजेएससी (एडीक्यू) के बीच समझौता ज्ञापन

परमाणु ऊर्जा पर हुए समझौता ज्ञापन से परमाणु ऊर्जा प्लांट के ऑपरेशन और रखरखाव, परमाणु ऊर्जा से जुड़े सामान और सेवाओं को भारत से मंगाने, आपसी निवेश के अवसरों को खोजने और कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग में बढ़ोतरी होगी।

दीर्घावधि एलएनजी आपूर्ति समझौता प्रतिवर्ष 1 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटीपीए) के लिए है और एक वर्ष की अवधि में तीसरा ऐसा समझौता किया गया है। आईओसीएल और जीएआईएल ने इससे पहले एडीएनओसी के साथ क्रमशः 1.2 एमएमटीपीए और 0.5 एमएमटीपीए के दीर्घावधि समझौते किए हैं। इन समझौतों से एलएनजी स्रोतों में विविधता के ज़रिए भारत में ऊर्जा सुरक्षा को और मज़बूती मिली है। ■

कमल पुष्प
सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

चिलकम रामचंद्र रेड्डी

जन्म: 24 सितम्बर, 1937
सक्रिय वर्ष: 1999-2004
जिला: चित्तूर, आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश के मंगलम गांव निवासी श्री चिलकम रामचंद्र रेड्डी बाल्यकाल से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे। जनवरी, 1994 में उन्होंने रायलसीमा में पानी की आपूर्ति एवं शांति की मांग को लेकर तिरुपति से कुरनूल तक 1200 किलोमीटर की ऐतिहासिक पदयात्रा की। जब वे जनता पार्टी में थे, तब उन्होंने प्रदेश स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। वह 1999 से 2004 तक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। इस दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए। वे समाज के सभी वर्गों में पार्टी का आधार बढ़ाने में सफल रहे। उनके कार्यकाल के दौरान सदस्यता छह लाख से बढ़कर 17.5 लाख हो गई।

उन्होंने कृषि के विकास, सिंचाई परियोजनाओं, पिछड़े वर्गों के लिए घरों के निर्माण और उनके उत्थान के लिए उल्लेखनीय काम किया। ■

'हर घर तिरंगा' अभियान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया है: नरेन्द्र मोदी

हमने घरों पर तिरंगा लहराते देखा— स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी में तिरंगा देखा। लोगों ने अपनी दुकानों, दफ्तरों में तिरंगा लगाया, लोगों ने अपने डेस्कटॉप, मोबाइल और गाड़ियों में भी तिरंगा लगाया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 113वीं कड़ी में चंद्रयान-3 के चांद के दक्षिणी हिस्से में सफल लैंडिंग के एक वर्ष पूरा होने तथा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की चर्चा की और कहा कि आज एक बार फिर बात होगी, देश की उपलब्धियों की; देश के लोगों के सामूहिक प्रयासों की। 21वीं सदी के भारत में कितना ही कुछ ऐसा हो रहा है, जो विकसित भारत की नींव मजबूत कर रहा है, जैसे इस 23 अगस्त को ही हम सब देशवासियों ने पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया। मुझे विश्वास है कि आप सबने इस दिन को सेलिब्रेट किया होगा, एक बार फिर चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मनाया होगा। पिछले वर्ष इसी दिन चंद्रयान-3 ने चांद के दक्षिणी हिस्से में शिव-शक्ति पॉइंट पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। भारत इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने वाला दुनिया का पहला देश बना।

श्री मोदी ने कहा कि इस साल मैंने लाल किले से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को पॉलिटिकल सिस्टम से जोड़ने का आह्वान किया है। मेरी इस बात पर जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई है। इससे पता चलता है कि कितनी बड़ी संख्या में हमारे युवा, राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं। बस उन्हें सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है। इस विषय पर मुझे देशभर के युवाओं के पत्र भी मिले हैं। सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अब हमारे सामूहिक प्रयास से ऐसे युवा, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, वे भी राजनीति में आगे आ सकेंगे, उनका अनुभव और उनका जोश देश के काम आएगा।

श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी समाज के हर क्षेत्र से ऐसे अनेक लोग सामने आए थे, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी। उन्होंने खुद को भारत की आजादी के लिए झोंक दिया था। आज हमें 'विकसित भारत' का लक्ष्य पाने के लिए एक बार फिर उसी भावना की जरूरत है। मैं अपने सभी युवा साथियों को कहूंगा कि इस अभियान से जरूर जुड़ें। आपका ये कदम अपने और देश के भविष्य को बदलने वाला होगा।

'हर घर तिरंगा और पूरा देश तिरंगा'

मन की बात के दौरान श्री मोदी ने कहा कि 'हर घर तिरंगा और पूरा देश तिरंगा' इस बार ये अभियान अपनी पूरी ऊंचाई पर रहा। देश के कोने-कोने से इस अभियान से जुड़ी अद्भुत तस्वीरें सामने आई हैं। हमने घरों पर तिरंगा लहराते देखा— स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी में तिरंगा देखा। लोगों ने अपनी दुकानों, दफ्तरों में तिरंगा लगाया, लोगों ने अपने डेस्कटॉप, मोबाइल और गाड़ियों में भी तिरंगा लगाया। जब लोग एक साथ जुड़कर अपनी भावना प्रकट करते हैं, तो इसी तरह हर अभियान को चार चांद लग जाते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस अब एक सामाजिक पर्व भी बनता जा रहा है, यह आपने भी अनुभव किया होगा। लोग अपने घरों को तिरंगा माला से सजाते हैं। 'स्वयं सहायता समूह' से जुड़ी महिलाएं लाखों झंडे तैयार करती हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर तिरंगे में रंगे सामानों की बिक्री बढ़ जाती है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के हर कोने, जल-थल-नभ, हर जगह हमारे झंडे के तीन रंग दिखाई दिए। हर घर तिरंगा वेबसाइट पर पांच करोड़ से ज्यादा सेल्फी भी पोस्ट की गई। इस अभियान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया है और यही तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' है।

श्री मोदी ने कहा कि हम सबके जीवन में फिटनेस का बहुत महत्व है। फिट रहने के लिए हमें अपने खानपान, रहन-सहन सब पर ध्यान देना होता है। लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के लिए ही 'फिट इंडिया अभियान' की शुरुआत की गई। स्वस्थ रहने के लिए आज हर आयु, हर वर्ग के लोग योग को अपना रहे हैं। लोग अपनी थाली में अब सुपरफूड मिलेट्स यानी श्रीअन्न को जगह देने लगे हैं। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य यही है कि हर परिवार स्वस्थ हो।

उन्होंने कहा कि हमारा परिवार, हमारा समाज और हमारा देश और इन सबका भविष्य हमारे बच्चों की सेहत पर निर्भर है और बच्चों की अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि उन्हें सही पोषण मिलता रहे। ■

प्रधानमंत्री ने पैरालिंपिक खेलों में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की सराहना की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठ सितंबर को पैरालिंपिक खेलों में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की सराहना की। प्रधानमंत्री ने देश के पैरा-एथलीटों की अटूट लगन और अदम्य भावना की सराहना की, जिन्होंने पेरिस में आयोजित 2024 पैरालिंपिक खेलों में 29 पदक जीते।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "पैरालिंपिक्स 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है। देश को इस बात पर बहुत खुशी है कि हमारे असाधारण पैरा-एथलीटों ने 29 पदक जीते हैं, जो कि इन खेलों में भारत के पदार्पण के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।"

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हमारे एथलीटों की अटूट लगन और अदम्य भावना के कारण है। उनका खेल प्रदर्शन भुलाया नहीं जा सकता, उनके प्रदर्शन ने कई उभरते एथलीटों को प्रेरित किया है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य सहित रिकॉर्ड 29 पदक जीते, जो पैरालिंपिक में हमारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत के पैरा-एथलीटों ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है और अगली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणादायक मानक स्थापित किया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए 'कमल संदेश परिवार' भी देश को गौरवान्वित करने वाले प्रत्येक खिलाड़ी की प्रशंसा करता है और उन्हें बधाई देता है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

जलगांव (महाराष्ट्र) में 25 अगस्त, 2024 को 'लखपति दीदी सम्मेलन' में लखपति दीदियों से बात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 06 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 09 सितंबर, 2024 को अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 06 सितंबर, 2024 को 'जल संचय जन भागीदारी पहल' कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ब्रुनेई में 04 सितंबर, 2024 को महामहिम सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सिंगापुर में 05 सितंबर, 2024 को प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 19 सितंबर, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह